मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 20 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 215, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर में वरुण धवन की एंट्री? 6

जम्मू में भीषण सड़क हादसा, 20 की मौत कई गंभीर, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

ब्लाइंड मोड़ और बेकाबू बस, पहाड़ी से गिरते ही मलबे में तब्दील, लाशें ही लाशें

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक यात्री बस पहाड़ी से नीचे गिर गई। इस दुर्घटना में 20 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 10 बजे राम नगर इलाके के कागोर्ट गांव के पास हुई।

बस एक दूरदराज के गांव से उधमपुर जा रही थी। यह दुर्घटना तब हुई जब बस राम नगर इलाके में एक ब्लाइंड मोड़ से गुजर रही थी। बस चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस पलट गई और पहाड़ी से नीचे गिर गई।

बस खाई में गिरते ही मलबे में तब्दील हो गई। बस में सवार लोगों की चीख-पुकार मच गई। हादसे के सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोग सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया।

उन्होंने क्षतिग्रस्त बस के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया। पुलिस और अन्य भी जल्द ही बचाव अभियान में शामिल हो गए। उनका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को सुरक्षित निकालना और दुर्घटनास्थल को साफ करना था। देखते ही देखते बस से मलबे से लाशें निकलना शुरू हुई।

सड़क पर लाशों का ढेर लग गया। वाहन के मलबे से कुल 20 शव बरामद किए गए। वहीं, 20 घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

केंद्रीय मंत्री का हस्तक्षेपः केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दुर्घटना के बाद उधमपुर के उपायुक्त मिंगा शेरपा से बात की। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था की जा रही है। मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में इस दुखद सड़क दुर्घटना पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया है और सभी संभव सहायता दी जा रही है। यह दुर्घटना रामनगर से उधमपुर जा रही एक सार्वजनिक परिवहन बस से संबंधित थी।

पीएम मोदी ने जताया शोकः भीषण बस हादसे में 20 लोगों की मौत और 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की सहायता दी जाएगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे पर दुख जताते हुए प्रशासन को राहत और बचाव कार्य तेज करने और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मणिपुर : बम हमले में बच्चों की मौत के खिलाफ 5 दिन का बंद, हिंसक प्रदर्शनों से घाटी में तनाव

नई दिल्ली/ एजेंसीःमणिपुर में शांति की कोशिशों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। इस महीने की शुरूआत में बिष्णुपुर जिले में हुए एक भयावह बम हमले में दो मासूम बच्चों की मौत के विरोध में रविवार से 5 दिनों के पूर्ण बंद का आह्वान किया गया है। नागरिक समाज समूहों और 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चलने वाली महिलाएं) के नेतृत्व में शुरू हुए इस बंद ने राज्य के घाटी जिलों में जनजीवन को पूरी तरह ठप कर दिया है। यह बंद, जो रविवार, 19 अप्रैल को शुरू हुआ, इसका नेतृत्व 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चलने वाली महिलाएं), विभिन्न नागरिक समाज संगठन और उस जानलेवा धमाके के बाद बने लोगों के एक समूह द्वारा किया जा रहा है।

पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि असामाजिक तत्व विरोध करने वाले समूहों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शनों पर कब्जा करने में सफल हो रहे हैं। यह चल रहा बंद उस दुखद घटना के कारण शुरू हुआ जो 7 अप्रैल को बिष्णुपुर के घाटी जिले में हुई थी, जहाँ एक पांच साल के लड़के और पांच महीने की बच्ची की एक धमाके में जान चली गई थी, जिसने तब से व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। प्रदर्शनकारी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ितों के लिए त्वरित न्याय की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी मुख्य मांग के साथ-साथ पहाड़ी जिलों में सक्रिय कथित कुकी उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को भी जोड़ दिया है। बंद के पहले दिन बाजार, शिक्षण संस्थान, सरकारी कार्यालय और परिवहन सेवाएं ज्यादातर बंद रहीं, जबकि कुछ इलाकों में केवल जरूरी सेवाएं ही चालू रहीं।

व्यापक विरोध प्रदर्शनों के हिस्से के तौर पर, रविवार शाम को घाटी जिलों के विभिन्न स्थानों पर हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में कई जगहों पर रात में रैलियां आयोजित की गईं।

तमिलनाडु पटाखा फैक्टरी विस्फोट

अब तक 25 की मौत, एक ही गांव के 19 लोगों की गई जान

संवाददाता

चेन्नईः तमिलनाडु के दक्षिणी विरुधुनगर जिले के कट्टनारपत्ती गांव में एक निजी पटाखा निर्माण कारखाने में रविवार को हुए दोहरे विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। कल रात से अब तक चार और लोगों की चोटों और झुलसने के कारण मौत हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने इस दुखद घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है।

एक ही गांव में 19 लोगों की मौत हुई है। सोमवार को यहां मिली रिपोर्टों के अनुसार, मृतकों में 19 महिलाएं, चार पुरुष और एक बच्चा शामिल है, जबकि एक शव के बुरी तरह जल जाने के कारण उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पायी है। सूत्रों ने उसी स्थान पर हुए दूसरे विस्फोट की भी पुष्टि की, जिसमें पुलिस और दमकल कर्मियों सहित 17 लोग घायल हो गए, जिससे घायलों की कुल संख्या 25 हो गई। घायलों को मलबे से निकालने के लिए काफी मशक्कत का सामना करना पडा, क्योंकि लगभग 50 मजदूर जिन चार इमारतों में काम कर रहे थे, वे विस्फोट के प्रभाव से पूरी तरह ढह गईं। यह विस्फोट भीषण गर्मी के कारण पटाखे बनाने के लिए रसायनों को मिलाते समय घर्षण के कारण हुआ था। पहले धमाके में 21 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जिनकी संख्या बाद में बढकर 23 और फिर आज 25 हो गई और आठ लोग घायल हो गये। धमाके के तुरंत बाद, विरुधुनगर, सत्तूर और शिवकाशी से अग्निशमन और पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और विभिन्न उपकरणों का उपयोग करते हुए राहत और बचाव कार्यों में जुट गए। तभी मलबे में रखे बड़ी संख्या में पटाखे फट गए, जिससे दूसरा धमाका हुआ। धमाके के प्रभाव से मलबे से पत्थर चारों ओर उड़ गये और पुलिसकर्मियों और अग्निशमन कर्मियों को लगे, जिससे 11 बचावकर्मी और 6 अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जबकि देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा।

गोलियों की गूंज से दहला अमेरिका

घरेलू विवाद में युवक ने की अंधाधुंध फायरिंग 8 मासूम बच्चों समेत 10 की मौत, हमलावर ढेर

सात बच्चे आरोपी के ही थे, पत्नी को भी मारी गोली

नई दिल्ली/एजेंसी : अमेरिका के लुइसियाना प्रांत से एक ऐसी खबर आई है जिसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। श्रेवेपोर्ट शहर में एक 31 वर्षीय सिरफिरे व्यक्ति ने घरेलू विवाद के बाद हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी ने अपनी पत्नी और आठ मासूम बच्चों पर असॉल्ट राइफल से अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। इस दर्दनाक हमले में 8 बच्चों की मौत हो गई जिनमें से 7 आरोपी के अपने ही बच्चे थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार यह खौफनाक वारदात रविवार सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी शमार एल्किंस ने घर के अंदर सो रहे बच्चों पर हमला किया। 7 बच्चों को घर के भीतर ही ढेर कर दिया गया जबकि एक बच्चा अपनी जान

बचाने के लिए छत की ओर भागा जिसके बाद बेरहम पिता ने पीछे भागते हुए उसे छत पर ही गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। हमले में एक 13 साल का लड़का किसी तरह छत से कूदकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा हालांकि वह घायल है। बता दें कि मारे गए बच्चों की पहचान जयला (3), शायला (5), कायला (6), लैला (7), मरकेडॉन (10), सारियाह (11), खेडारियन (6) और ब्रेलॉन (5) के रूप में हुई है। इनमें 7 सगे भाई-बहन और एक उनका कजिन था। आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी को निशाना बनाया और फिर दूसरे घर में जाकर बच्चों और उनकी मौसी (कजिन की मां) पर गोलियां चलाईं। दोनों महिलाओं की हालत फिलहाल अस्पताल में बेहद गंभीर बनी हुई है।

भारत में अभी गर्मी का सबसे बुरा दौर आना बाकी वायु प्रदूषण बनेगा वजह, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्लीः भारत में जलवायु संकट से होने वाली गर्मी की सबसे बुरा दौर आना अभी बाकी है। एक नई रिसर्च के अनुसार, 1980-90 और 2015-24 के बीच भारत की भूमि केवल 0.88 डिग्री सेल्सियस गर्म हुई है, जबकि पूरी दुनिया में औसतन 1.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। इस अंतर के पीछे मुख्य कारणों में से एक वायु प्रदूषण है।

यह रिसर्च पेपर भारत में अत्यधिक गर्मी पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण शीर्षक से हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जलवायु और स्थिरता के लिए सलाता संस्थान द्वारा जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में गर्मी को दबाने वाली प्रक्रियाएं हमेशा बनी नहीं रहेंगी। इसलिए अनुकूलन की योजना बनाते समय इस वार्मिंग गैप को समझना बहुत जरूरी है।

उत्तर भारत में कम गर्मी का रहस्यः देश के औसत की तुलना में उत्तरी भारत के सर्दियों के दिन के तापमान में कम गर्मी देखी जा रही है। कुछ इलाकों में तो जनवरी के महीने में ठंडक का रुझान भी नजर आ रहा है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर के महीनों में भी उत्तरी भारत में राष्ट्रीय औसत से कम गर्मी बढ़ रही है।

इसका मुख्य कारण है इस क्षेत्र में भारी वायु प्रदूषण और गहन सिंचाई। उत्तरी भारत देश का अन्न भंडार है। एरोसोल सूर्य की किरणों को बिखेरकर या सोखकर दिन के समय सतह को ठंडा रखते हैं। वहीं सिंचाई से होने वाली वाष्पन-उत्सर्जन भी ठंडक पैदा करती है।

स्वच्छ हवा नीतियों का दोहरा प्रभावः राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और राज्य स्तर की पहल से एरोसोल यानी वायु प्रदूषण के स्तर में कमी आ सकती है। इससे जन स्वास्थ्य में सुधार तो होगा, लेकिन ग्रीनहाउस गर्मी पर लगी आंशिक रोक हट जाएगी। परिणामस्वरूप उत्तरी भारत के सर्दियों के दिन के तापमान में मध्यम बढ़ोतरी हो सकती है। शोध पत्र चेतावती देता है कि ऐतिहासिक औसतों के आधार पर तैयार किए गए हीट एक्शन प्लान, कृषि पूवार्नुमान, श्रम संरक्षण और वित्तीय उपकरण भविष्य की वास्तविक गर्मी को कम आंक सकते हैं। जो वार्मिंग ट्रेंड अब तक मामूली दिख रहा है, वह आगे नहीं रह सकता। गर्मी में काम करने वाले करोड़ों भारतीय पर बढ़ेगा जोखिमः भारत की लगभग तीन-चौथाई श्रम शक्ति यानी करीब 38 करोड़ लोग गर्मी में काम करने वाले क्षेत्रों में लगे हैं। इनमें कृषि, निर्माण और अनौपचारिक व्यवसाय शामिल हैं जो देश की जीडीपी का लगभग आधा हिस्सा बनाते हैं। हार्वर्ड के एसोसिएट प्रोफेसर सच्चित बलसरी के अनुसार, निकट भविष्य में यह जोखिम और बढ़ेगा।

2030 तक देश में 20 करोड़ लोग घातक गर्मी की स्थिति का सामना कर सकते हैं। गर्मी के तनाव से दुनिया भर में करोड़ों नौकरियां प्रभावित होने वाली हैं। अनुकूलन की क्षमता असमान है। देश के केवल 8% घरों में एयर कंडीशनर है। बाकी आबादी सीमित या अप्रभावी तरीकों से गर्मी से निपट रही है। 20% से ज्यादा हो सकती है भारत में बारिश की बढ़ोतरीः कुछ जलवायु मॉडल के अनुसार, सबसे खराब परिदृश्य में सदी के अंत तक भारत में वार्षिक वर्षा 20% से ज्यादा बढ़ सकती है, जबकि कुछ मॉडल 60% से अधिक की बढ़ोतरी का अनुमान लगा रहे हैं। दोनों ही स्थितियों में किसानों को भारी अनुकूलन की जरूरत पड़ेगी।

ईरान से बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति पाकिस्तान रवाना,ईरान का शामिल होना तय नहीं

अमेरिका का चीन से आ रहे ईरानी जहाज पर कब्जा

वॉशिंगटन डीसी/तेहरानः ईरान से बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने न्यूयॉर्क पोस्ट से बातचीत में कहा था कि वेंस पाकिस्तान नहीं जा रहे हैं।

वेंस ने 11-12 अप्रैल को ईरान से बातचीत में अमेरिकी डेलिगेशन का नेतृत्व किया था। बातचीत करीब 21 घंटे चली थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो पाया था। दोनों देशों के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल को लेकर मतभेद हैं।

अमेरिका और ईरान के तनाव बढ़ने की वजह ट्रम्प की ईरान को धमकी और ईरानी जहाज टूस्काको कब्जे में लेना है। इसे लेकर ईरान नाराजगी

जताई और इसे समुद्री डकैती करार दिया और कहा कि वे जल्द इसका जवाब देंगे।

अमेरिका-ईरान की बातचीत पर सस्पेंसः होर्मुज में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में दोनों देशों के बीच दूसरी दौर की बातचीत होगी या नहीं, इसे लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी सीजफायर के समझौते का उल्लंघन है और अमेरिका की धमकी भरी भाषा से हालात और खराब हो रहे हैं। इन परिस्थितियों में बातचीत की उम्मीद बहुत कम है।

वही अल जजीरा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले बताया गया है कि बातचीत एक नहीं बल्कि कई दिनों तक चल सकती है। कोशिश यह है कि एक अस्थायी समझौता यानी एमओयू साइन हो जाए, जिससे सीजफायर आगे बढ़ सके और करीब 60 दिन का समय मिल जाए ताकि बड़ा शांति समझौता तैयार किया जा सके। लेकिन यह सब तभी संभव है जब ईरान इसमें हिस्सा ले।

खूंटी के नये एसपी ऋषभ गर्ग ने किया पदभार ग्रहण,कहा-

जिले में कानून-व्यवस्था मजबूत करना सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता

खूंटी: जिले के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में ऋषभ गर्ग ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही जिले के पुलिस महकमे में नई ऊर्जा और उम्मीद की लहर देखने को मिल रही है। पूर्व एसपी मनीष तोपो ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया और जिम्मेदारी का हस्तांतरण किया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ऋषभ गर्ग ने पहली बार प्रेस वार्ता आयोजित कर साफ संदेश दिया कि जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि अपराध और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, वहीं आम जनता के साथ पुलिस का बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि खूंटी जैसे संवेदनशील जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, और इसके लिए पुलिस हर स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने युवाओं को सही दिशा देने और समाज में सकारात्मक माहौल बनाने की बात भी कही।

तालाब में डूबने से मां और दो मासूम बेटियों की मौत का मामला

पोस्टमार्टम के नाम पर सदर अस्पताल में वसूली का मामला आया सामने

- शिकायत के बाद चतरा डीसी ने लिया एक्शन
- एसडीओ सदर के नेतृत्व में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित

संवाददाता

चतरा: सदर थाना क्षेत्र के भोज्या गांव में रविवार को तालाब में डूबने से मां और दो मासूम बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। मौत की घटना के बाद एक और संवेदनशील मामला सामने आया। मृतकों के परिजनों से पोस्टमार्टम के बदले पांच हजार रुपये की अवैध वसूली हो गई। आरोप है कि सदर अस्पताल के स्विपर नें पोस्टमार्टम करने के एवज में ढाई हजार नगद और ढाई हजार रुपये ऑनलाइन वसूल लिए। पीड़ित के परिजनों से अवैध वसूली किए जाने के आरोपों के बाद जिला प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया है। परिजनों की शिकायत पर नवनियुक्त उपायुक्त रवि आनंद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर अनुमंडल अधिकारी मो जहूर आलम के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम गठित कर तत्काल जांच के आदेश दे दिये हैं। टीम में सिविल सर्जन, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक और अस्पताल प्रबंधक को भी शामिल किया गया है।डीसी रवि आनंद ने बताया कि सदर अस्पताल के एक स्विपर द्वारा परिजनों से अवैध राशि की वसूली की गई है। डीसी ने कमेटी को 24 घंटे के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट के आधार पर आरोपी स्विपर को बर्खास्त करने के साथ-साथ इस मामले में शामिल अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की भी पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। डीसी रवि आनंद ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शव के पोस्टमार्टम के बदले पीड़ित परिवार से अवैध राशि की वसूली किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस घृणित कार्य में शामिल सभी लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए बर्खास्तगी और प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ऐसे अमानवीय कृत्य को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करेगी।

देवी मंडप में गूंजा सनातन चेतना का स्वर

गिलहरी योगदान के लिए डिजिटल मंच का लोकार्पण

संवाददाता

खूंटी: शहर के नेताजी चौक स्थित देवी मंडप में रविवार की शाम सनातन चेतना और धर्ममय ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में जुटे धर्मप्रेमियों की उपस्थिति में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां पारंपरिक आस्था को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के लिंक का विधिवत लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विशाल एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित वीडियो के माध्यम से इस डिजिटल मंच की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस प्लेटफॉर्म के जरिए कोई भी व्यक्ति घर बैठे सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं मंदिर निर्माण जैसे धार्मिक कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है। ह्यगिलहरी योगदानह्न की भावना को केंद्र में रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति से प्रतिदिन मात्र एक रुपये का सहयोग देने का आह्वान किया गया, ताकि छोटे-छोटे योगदान मिलकर एक बड़े उद्देश्य को साकार कर सकें।

ज्ञात हो कि खूंटी के गच्छटांड़ क्षेत्र में स्थित प्राचीन महावीर मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य इन दिनों तेजी से जारी है। प्रस्तावित योजना के तहत यहां 108 फीट ऊंचा और चार मंजिला भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। मंदिर परिसर में गुरुकुल, गौशाला, प्रवचनशाला एवं साधना कक्ष जैसी सुविधाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे यह स्थल भविष्य में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जितेंद्र कश्यप, सुभाष मिश्रा, संजीव चौरसिया एवं ज्योतिष भगत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में समाज के सभी वर्गों से इस पुनीत अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि आस्था और तकनीक का समन्वय वर्तमान समय की आवश्यकता है, और सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

रनिया प्रखंड के जयसन कंडुलना का जूनियर भारतीय हॉकी टीम में चयन, क्षेत्र में हर्ष

जानकारी के अनुसार, जयसन कंडुलना आगामी दिनों में जापान दौरे पर जाने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा होंगे। रनिया प्रखंड से यह पहला मौका है जब कोई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करेगा।

संवाददाता

खूंटी : रनिया प्रखंड के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है। प्रखंड अंतर्गत जयपुर पंचायत के जयपुर गांव निवासी आदिवासी युवा जयसन कंडुलना का चयन जूनियर भारतीय हॉकी टीम में हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

जयसन कंडुलना, पिता एलेक्जेंडर कंडुलना और माता प्रतिमा कंडुलना के होनहार पुत्र हैं। उनका गांव जंगल-पहाड़ों के बीच स्थित आदिवासी बहुल इलाका है, जहां सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उनके पिता राजस्थान में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उनकी मां खेती-बाड़ी के साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी संभालती हैं। दो भाई-बहनों में जयसन सबसे छोटे हैं और वर्तमान में संत जोसेफ स्कूल, तोरपा में नौवीं कक्षा के छात्र हैं। बचपन से ही जयसन की रुचि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, खासकर हॉकी में रही है। खूंटी में आयोजित जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के बाद वे लगातार विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे। हाल ही में बिहार के राजगीर में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में उनके शानदार खेल के आधार पर उनका चयन जूनियर भारतीय हॉकी टीम के लिए किया गया।

जानकारी के अनुसार, जयसन कंडुलना आगामी दिनों में जापान दौरे पर जाने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा होंगे। रनिया प्रखंड से यह पहला मौका है जब कोई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करेगा।

इस उपलब्धि पर विधायक सुदीप गुड़िया ने खुशी जताते हुए कहा कि यह पूरे रनिया प्रखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि जयसन ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सरकार ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग करेगी।

वहीं प्रमुख नेली, जिप सदस्य बिरेन कंडुलना सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जयसन व उनके परिवार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों को उम्मीद है कि जयसन आगे चलकर सीनियर भारतीय हॉकी टीम में भी अपनी जगह बनाएंगे और देश व क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

स्मृति दिवस पर माकपा नेता राजेंद्र सिंह मुंडा की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

संवाददाता

मुरी: सोनाहातु में माकपा एवं झारखंड राज्य किसान के तत्वावधान में पूर्व विधायक सह किसान नेता कामरेड राजेंद्र सिंह मुंडा का 5वां स्मृति दिवस मनाया गया। राजेंद्र सिंह मुंडा के प्रतिमा स्थल पर माल्यार्पण डोमन सिंह मुंडा ने किया। राजेन्द्र सिंह मुंडा अमर रहे कि नारा लगा। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सह माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो ने राजेंद्र सिंह मुंडा के जीवनी पर विस्तृत रूप में चर्चा करते हुए कहा कि जमींदार घर में पैदा लेकर भी उनका पूरा जीवन किसान_ मजदूरों के लिए अर्पित था, पांच परगना क्षेत्र में चल रहे किसान आन्दोलन में उन पर 4 बार जानलेवा हमला हुए। जिसमें द्वारिका महतो,दानी दत्ता,फागु मुंडा, शोशोधर मुंडा, गोपाल मुंडा - कांडे मुंडा शहीद हुए थे,उस दौरान चल रहे आन्दोलन में 98 बेशकिमती साथी शहीद हुए थे। राजेंद्र सिंह ने उच्च न्यायालय एवं सुप्रीम कोर्ट में 10 वर्षों से न्यायिक लड़ाई लड़कर झारखंड में 32 वर्षों से रूके पंचायत चुनाव का दरवाजा खोलने में अहम भूमिका निभाई। वे सिल्ली विधानसभा से तीन बार विधायक चुने गए। जल, जंगल, जमीन आन्दोलन में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

जिला किसान कॉंसिल सदस्य प्रेमचंद पातर ने कहा कि राजेंद्र सिंह मुंडा के किसान - मजदूरों के लिए आन्दोलन को कभी भूलाया नहीं जा रहा। किसान नेता हरिहर महतो ने कहा राजेंद्र सिंह मुंडा के रास्ते हर गांवों में किसान आन्दोलन खड़ा करना होगा। इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य कौंसिल सदस्य उमेश महतो, जिला किसान कॉंसिल सदस्य घुरन पातर, हरिश्चंद्र प्रमाणिक,सोनाहातु मुखिया विकास मुंडा, नौजवान सभा के नेता दिनेश महतो, महिला नेत्री यशोदा देवी, अंचल किसान सभा के सचिव बसंत मुंडा, किसान नेता विशेश्वर महतो,राजेंद्र सिंह मुंडा,महरू महतो, जगदीश मुंडा, डोमन मुंडा, मनमोहन प्रमाणिक,सोहनलाल मुंडा, शंकर मुंडा, दिनेश महतो, जगन्नाथ मुंडा,मुची राम मुंडा,जगत मुंडा, विश्वनाथ कुम्हार, मनियां महतो,छोटन मुंडा,मनोज मुंडा,पुशवा मुंडा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा-2025 शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त संपन्न

खूंटी: उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के नेतृत्व में झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन जिले के सभी 09 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुआ। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी एवं फ्लाइंग दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया।

इस क्रम में उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक, खूंटी कार्यालय परिसर में स्थापित परीक्षा नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सभी परीक्षा केन्द्रों की गतिविधियों की निगरानी करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की सख्ती और समुचित व्यवस्थाओं के कारण परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुई।

झारखंड में आज कहीं वज्रपात-बारिश तो कहीं हीट वेव का अलर्ट, शुष्क हवा से झुलसाने वाली गर्मी

डालटनगंज का पारा 44 डिग्री के करीब

संवाददाता

रांची: राज्य में आज यानी 20 अप्रैल को मौसम ने करवट ले ली है। मौसम केंद्र, रांची के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तरह का मौसम देखने को मिलेगा। जहां एक ओर उत्तर-पूर्वी जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है, वहीं दूसरी ओर उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में हीट वेव का खतरा बना हुआ है।

डालटेनगंज में पड़ रही है प्रचंड गर्मी : झारखंड में बढ़ती गर्मी के बीच पलामू का डाल्टनगंज इस समय राज्य का सबसे गर्म इलाका बनकर उभरा है। डाल्टनगंज में बीते 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है। यह तापमान सामान्य से करीब 4 डिग्री ज्यादा है, जिससे यहां भीषण गर्मी और लू जैसे हालात बन गए हैं। डाल्टनगंज में न सिर्फ दिन का तापमान अधिक रहा, बल्कि न्यूनतम तापमान भी 24 डिग्री के आसपास बना रहा। यानी रात में भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है।

बोकारो और जमशेदपुर का भी हाल बेहालः राज्य के अन्य शहरों की बात करें तो जमशेदपुर में 41।6 डिग्री, बोकारो में 43.1 डिग्री और रांची में 39.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। हालांकि ये सभी शहर गर्मी से जूझ

रहे हैं, लेकिन डाल्टनगंज ने सबसे ज्यादा तपिश के साथ सभी को पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा चाईबासा में 41.4 डिग्री, देवघर में 41.1 डिग्री, कोडरमा में 40 डिग्री, सरायकेला में 41.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ है। सिर्फ लातेहार और पाकुड़ जिले का अधिकतम तापमान 35 डिग्री से नीचे रहा।

वज्रपात और बारिश के आसारः मौसम केंद्र के मुताबिक, आज राज्य के उत्तर-पूर्वी झारखंड के जिलों देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा और साहिबगंज में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इन इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ गरज और वज्रपात होने की संभावना है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अगर 20 अप्रैल के बाद के मौसम की बात करें, तो 21 अप्रैल को भी उत्तर-पूर्वी जिलों में हल्की बारिश और वज्रपात की स्थिति बनी रह सकती है। वहीं 22 अप्रैल से मौसम फिर से साफ और शुष्क होने लगेगा। इसके बाद 23 अप्रैल तक पूरे राज्य में आसमान साफ रहने और तापमान में बढ़ोतरी का अनुमान है। हीट वेव का अलर्टः वहीं, उत्तर-पश्चिमी झारखंड के जिलों पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में तापमान काफी अधिक रहने की संभावना है, जिससे लोगों को लू का सामना करना पड़ सकता है। खासकर पलामू और गढ़वा जैसे जिले हीट वेव से सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे ऊपर पहुंच सकता है। राज्य के मध्य और दक्षिणी हिस्सों जैसे रांची, बोकारो, धनबाद, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में आज मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि कुछ जगहों पर हल्के बादल नजर आ सकते हैं, लेकिन बारिश की संभावना कम है। आने वाले दिनों में हीट वेव का असर उत्तर-पश्चिमी और कुछ दक्षिणी जिलों में बढ़ सकता है। खासकर पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार के साथ-साथ सिंहभूम क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

हाईकोर्ट ने राहुल सेन की जमानत याचिका की खारिज

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय एवं न्यायाधीश प्रदीप श्रीवास्तव की खंडपीठ ने आईएसआईएस के झारखंड मॉड्यूल केस में गिरफ्तार उमर बहादुर उर्फ राहुल सेन की जमानत याचिका खारिज कर दी। दरअसल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी की छापेमारी में उमर बहादुर उर्फ राहुल सेन के पास से भड़काऊ और कट्टरपंथी सामग्री मिली थी।

सोशल मीडिया के जरिए नेटवर्कः उसने आतंकवादी प्रचार सामग्री के प्रसार के लिए सोशल मीडिया पर कट्टर से जुड़े कई साइबर समूह बना रखे थे, जिनका संचालन वह खुद करता था। जांच में यह भी सामने आया कि वह आईएसआईएस के प्रशिक्षण और वैचारिक वीडियो का प्रचार-प्रसार कर युवाओं को देश के खिलाफ हिंसक कार्रवाई के लिए उकसा रहा था।

गिरफ्तारी की पूरी कहानीः उमर बहादुर उर्फ राहुल सेन को मुख्य आरोपी के रूप में संदिग्ध आतंकी फैजान अंसारी के निशानदेही पर 14 सितंबर 2023 को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलोट थाना क्षेत्र के खजुरी दावड़ा गांव से गिरफ्तार किया गया था।

फैजान अंसारी को भी नहीं मिली राहतः मुख्य आरोपी आतंकी फैजान अंसारी की जमानत याचिका पहले ही झारखंड हाई कोर्ट से खारिज हो चुकी है। बताया जाता है कि फैजान अंसारी लोहरदगा के मिल्लत कॉलोनी का निवासी था। पूछताछ में यह सामने आया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान वह कट्टर से प्रभावित हुआ था।

डार्क नेट और विदेशी संपर्कः गिरफ्तारी से डेढ़ साल पहले से वह आईएसआईएस के संपर्क में था और एजेंसियों से बचने के लिए डार्क नेट का इस्तेमाल करता था। इसके जरिए वह भारत में सक्रिय कट्टर मॉड्यूल के सदस्यों के साथ-साथ पाकिस्तान से भी संपर्क में रहता था। फैजान अंसारी ने सितंबर 2025 में झारखंड हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया।

दो सप्ताह में सार्थक परिणाम नहीं आया तो मामला सीबीआई को सौंपा जायेगाः हाईकोर्ट

रांचीः गुमला जिले की आठ साल से लापता बच्ची की मां द्वारा दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए मौखिक रूप से कहा कि अगर अगले दो सप्ताह में पुलिस की जांच में कोई ठोस नतीजा नहीं निकला, तो इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाएगी।

डीजीपी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशीः इस केस की सुनवाई के दौरान डीजीपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट के समक्ष उपस्थित रहीं और उन्होंने पुलिस की अब तक की जांच से कोर्ट को अवगत कराया।

2018 में दायर हेबियस कॉर्पस याचिकाः यह मामला गुमला जिले की छह वर्षीय बच्ची से जुड़ा है, जिसकी मां ने सितंबर 2018 में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर की थी।

नई एसआईटी का गठन, तलाश जारीः अब तक की सुनवाई में पुलिस ने यह जानकारी दी है कि मामले में अनुसंधान के लिए नई एसआईटी बनाई गई है। एसआईटी दिल्ली जाकर अपहृत बच्ची की जानकारी जुटाने की कोशिश कर चुकी है और उसकी फोटो विभिन्न जगहों पर अपलोड करवाई गई है। हालांकि अभी तक बच्ची बरामद नहीं हुई है और तलाश जारी है।

घाटशिलाः स्वर्णरेखा नदी किनारे फिर मिला संदिग्ध जिंदा बम, इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा

संवाददाता

घाटशिलाः जमशेदपुर के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी किनारे एक बार फिर संदिग्ध जिंदा बम बरामद किया गया है। सूचना मिलते ही भारतीय सेना की विशेष टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों में भय का माहौल है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी है।

जमशेदपुर के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के पानीपड़ा नागुड़साई गांव में स्वर्णरेखा नदी के किनारे संदिग्ध जिंदा बम मिलने से इलाके में दहशत फैल गई है। पिछले तीन दिनों से ग्रामीण नदी किनारे भारी धातु जैसी वस्तु देख रहे थे। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के समय का बम हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय सेना की विशेष टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

सेना टीम का नेतृत्व कर रहे कैप्टन आयुष कुमार सिंह ने प्रारंभिक जांच के बाद बताया कि यह वस्तु जिंदा बम (करीब 227 किलोग्राम) प्रतीत हो रही है और इसमें अभी भी विस्फोट की संभावना बनी हुई है। उन्होंने कहा कि फिलहाल बम के प्रकार, उसकी स्थिति और मारक क्षमता का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट सैन्य मुख्यालय को भेजी जाएगी, जिसके बाद निर्देश मिलने पर इसे निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हालांकि,? डिफ्यूज कब किया जाएगा, इसे लेकर अभी तक ?कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

गौरतलब है कि इससे पहले 17 मार्च को ?भी इसी क्षेत्र में मिले दो बम को बहरागोड़ा पुलिस? की पहल पर सेना की टीम ने सफलतापूर्वक डिफ्यूज ?किया था। उस दौरान, सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए, बम को बालू की बोरियों से ढककर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया गया था।

टेंडर घोटालाः आरोपी इंजीनियर ने किया सरेंडर , मिली जमानत

मेट्रो रेज

रांची : रांची स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में ग्रामीण विकास विभाग के टेंडर घोटाला मामले के आरोपी इंजीनियर अशोक कुमार गुप्ता ने सोमवार को सरेंडर किया। सरेंडर के बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। हालांकि, अदालत ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके, पासपोर्ट जमा करने और बिना अनुमति देश से बाहर नहीं जाने की शर्त भी लगाई है। ईडी की जांच में तेजीः इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच जारी है। एजेंसी ने हाल ही में प्रमोद कुमार सहित 14 अन्य आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया है।

कोर्ट ने जारी किए समनः चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने सभी आरोपियों के खिलाफ समन जारी कर दिया है। इसके बाद मामले में कानूनी प्रक्रिया तेज हो गई है। जांच के दौरान अब तक कई आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया है, जिनमें से अधिकांश को शर्तों के साथ जमानत भी मिल चुकी है। मामला अभी विचाराधीन है और आगे की सुनवाई जारी रहेगी।

झारखंड मुख्यालय में फेरबदल

लेखा शाखा में तीन साल से जमें पुलिसकर्मियों को 48 घंटे में हटाने का निर्देश

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने विभाग में वित्तीय अनियमितताओं पर नकेल कसने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। मुख्यालय ने आदेश जारी कर राज्य के सभी जिलों और इकाइयों की लेखा शाखा में तीन साल या उससे अधिक समय से तैनात कर्मियों को तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्देश दिया है। यह कदम हाल ही में बोकारो और हजारीबाग जिलों में सामने आई वित्तीय गड़बड़ियों के बाद उठाया गया है, जहाँ वेतन भुगतान में धांधली और अवैध निकासी जैसी गंभीर शिकायतें दर्ज की गई थीं। जैप (झारखंड आर्म्ड पुलिस) के डीआईजी द्वारा जारी इस कड़े आदेश के तहत, सभी कमांडेंट को अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले लेखा शाखा के उन सभी कर्मचारियों को 48 घंटे के भीतर स्थानांतरित करने को कहा गया है, जो वहां लंबी अवधि से जमे हुए हैं।

इस निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरित किए गए कर्मियों को अगले तीन साल तक वापस लेखा शाखा में तैनात नहीं किया जाएगा, ताकि विभाग की वित्तीय प्रक्रियाओं में नई कार्य संस्कृति विकसित की जा सके। पुलिस मुख्यालय ने सभी इकाइयों से निर्धारित समय सीमा के भीतर इस आदेश के अनुपालन की रिपोर्ट तलब की है। विभाग का मानना है कि लंबे समय तक एक ही पद पर रहने से वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता प्रभावित होती है। अब इस कड़े फैसले से भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने और प्रशासनिक जवाबदेही तय करने में मदद मिलेगी।

अपराध के नाम पर पूरे समुदाय को बदनाम करना बंद करेंः फहीम अहमद

मेट्रो रेज

रांचीः समाजसेवी और इकरा इंडियंस के अध्यक्ष फहीम अहमद ने हाल के दिनों में लव जिहाद जैसे मुद्दों को लेकर हो रही बयानबाजी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अपराध को किसी धर्म या पूरे समुदाय से जोड़ना गलत और समाज के लिए घातक है।

फहीम अहमद ने कहा कि कुछ लोग अपराध की घटनाओं को बहाना बनाकर पूरे मुस्लिम समाज को निशाना बना रहे हैं, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध सिर्फ अपराधी करते हैं, कोई पूरा समाज नहीं। यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए। उन्होंने रांची में हाल के दिनों में नशे की आड़ में हुए अपराधों का जिक्र करते हुए कहा कि बलात्कार और शोषण जैसे कई गंभीर मामले सामने आए हैं, जिनमें एक मेडिकल छात्रा के साथ दुष्कर्म अमानवीय व्यवहार की घटना शामिल है। उन्होंने बताया कि इन मामलों में एक आरोपी को छोड़कर बाकी सभी को प्रशासन और पुलिस की तत्परता से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने इन सभी घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए समाज का हर व्यक्ति इसके पक्ष में है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इन अपराधों के नाम पर किसी विशेष समुदाय को टारगेट करना और हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत फैलाना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कुछ संगठनों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए नफरत फैलाना बंद करना चाहिए। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ और समुदाय विशेष के खिलाफ संदेश प्रसारित करना समाज के हित में नहीं है। अंत में उन्होंने अपील की कि सभी लोग मिलकर सामाजिक सौहार्द बनाए रखें और अपराध को केवल अपराध के रूप में देखें, न कि उसे धर्म या समुदाय से जोड़ें।

झारखंड के यात्रियों का काफिला कोलकाता से हज के लिए रवाना

हफीजुल हसन और इरफान अंसारी ने की दुआ

रांची (गुलाम शाहिद) : रांची सहित झारखंड से हाजियों का काफिला कोलकाता से फ्लाइट नंबर 6305 के माध्यम से मदीना के लिए सफलतापूर्वक प्रस्थान किया गया।इस साल राज्य से लगभग 1,530 हाजी हज पर जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश कोलकाता से उड़ान भरेंगे। 20 अप्रैल को कोलकाता स्थित हज हाउस से विभिन्न जिलों के कुल 300 से अधिक हज यात्री इस पवित्र यात्रा पर रवाना हुए। इनमें रांची जिले से 165, बोकारो से 102 तथा रामगढ़ से 33 यात्री शामिल हैं। हज हाउस, कोलकाता में यात्रियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं। यात्रियों की रिपोर्टिंग, दस्तावेज सत्यापन और चेक-इन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से पूरी की गई, जिससे किसी भी यात्री को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। हज यात्रियों को विदाई देने के लिए झारखंड सरकार के कई मंत्री एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाजी हफीजुल हसन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया और उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना की। हज हाउस में यात्रियों के ठहरने, भोजन और अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे यात्रियों को प्रस्थान से पूर्व किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

चुटिया में धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान परशुराम की जयंतीः ब्राह्मण महासभा

मेट्रो रेज

रांचीः चुटिया रांची में आज भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। झारखंड ब्राह्मण महासभा के संयोजक मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम हिंदू धर्म के अत्यंत पूजनीय शक्तिशाली और ज्ञानवान पत्रों में से एक है । इन्होंने विष्णु भगवान के छठे अवतार के रूप में इस सृष्टि में जन्म लिया हैं। अष्ट चिरंजीवों में(आठ अमर जीव) में से एक है जो आज भी जीवित है और विश्व के कल्याण के लिए इनका जन्मोत्सव हर साल की भांति इस साल भी मनाया जायेगा।

बढ़ती गर्मी पर पासवा का अलर्ट स्कूल का समय बदलने की मांग

मेट्रो रेज

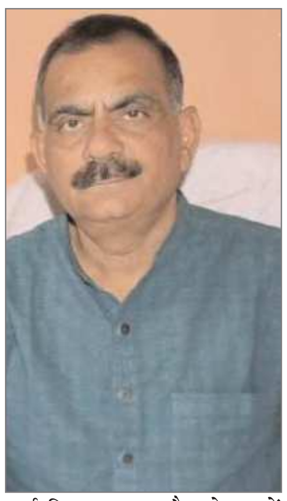

रांचीः पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए झारखंड सरकार से विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव करने की मांग की है।

इस संबंध में श्री दूबे ने आज राज्य के मुख्यमंत्री , ग्रामीण विकास मंत्री एवं शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं।

उन्होंने अपने पत्र में प्रस्ताव दिया है कि राज्य के सभी विद्यालयों का संचालन प्रातः 6:30 बजे से 10:30 बजे तक किया जाए, ताकि भीषण गर्मी से बच्चों को राहत मिल सके।

श्री दूबे ने कहा कि रांची सहित पूरे झारखंड में इस समय तेज गर्मी एवं लू का प्रकोप जारी है। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई गई है। राज्य के कई क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के लिए दोपहर के समय विद्यालय आना-जाना अत्यंत कठिन एवं जोखिमपूर्ण हो सकता है। ऐसे में विद्यालय समय में बदलाव करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि बच्चे सुरक्षित रहें और उनका पठन-पाठन भी प्रभावित न हो।

पासवा ने राज्य सरकार से इस विषय पर शीघ्र निर्णय लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।

मेरी आवाज मेरी पहचान के कार्यालय का उद्घघाटन

कलाकारों की प्रतिभा को मिलेगा मंचः देवेश खान

संवाददाता

रांचीः हरमू स्थित संत फ्रांसिस स्कूल के नजदीक मेरी आवाज मेरी पहचान संस्था का उद्घाटन बॉलीवुड एक्टर देवेश खान ने किया।

इस मौके पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के महासचिव रोहित अग्रवाल, आनन्द जालान, किशन अग्रवाल, बुलंद अख्तर आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कला प्रेमियों की उपस्थिति रही। देवेश खान ने कहा कि अपनी प्रतिभा के दम पर नाम, शोहरत और आर्थिक सफलता हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कलाकारों कि प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। गीत संगीत कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया । संस्थापक कुमार गहलोत ने कहा कि कलाकारों की प्रतिभा के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। सिंगर कविता होरो ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य कलाकारों की छिपी प्रतिभाओं को मंच देना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इस मौके पर कविता होरो, रोमी सेठी, सोनी सिंह, गुलजार खान, राजीव कुमार, सुजीत कुमार, विकास कुमार, से जेबा कमर व अन्य मौजूद थे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

लाल गलियारे का अंतः शाह की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने रची सुरक्षा की नई इबारत

भारत की आंतरिक सुरक्षा के इतिहास में यदि किसी एक समस्या ने दशकों तक देश की प्रगति को बाधित किया और हजारों निदोर्षों का लहू बहाया, तो वह नक्सलवाद था। एक समय ऐसा भी था जब तत्कालीन सरकारों ने इसे देश के लिए 'सबसे बड़ा खतरा' स्वीकार किया था, लेकिन इसके समाधान के लिए वह ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई थी जो आज नजर आ रही है। आज जब हम 2026 के मुहाने पर खड़े हैं, तो भारत के नक्शे से 'लाल गलियारे' का सिकुड़ता दायरा और बस्तर के जंगलों में गूंजती शांति इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने इस नासूर को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया है।अमित शाह ने गृह मंत्रालय की कमान संभालते ही नक्सलवाद को केवल एक स्थानीय कानून-व्यवस्था की समस्या मानने के बजाय इसे एक राष्ट्रव्यापी सुरक्षा चुनौती के रूप में चिन्हित किया और इसे समाप्त करने के लिए 'समाधान' और 'लौह प्रहार' जैसी रणनीतियों का सूत्रपात किया।

अमित शाह की कार्यशैली का सबसे प्रमुख पहलू उनका 'परिणाम-आधारित' दृष्टिकोण है। उन्होंने अपने विभिन्न भाषणों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि नक्सलवाद का अस्तित्व केवल बंदूकों के दम पर नहीं, बल्कि विकास की कमी और वैचारिक भ्रम के कारण टिका हुआ था। शाह ने उन 'अर्बन नक्सल' समूहों को भी बेनकाब किया जो शहरों में बैठकर जंगलों में हिंसा फैलाने वालों के लिए वैचारिक कवच तैयार करते थे। गृह मंत्री का मानना है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, और यदि कोई समूह हथियार उठाकर संविधान को चुनौती देता है, तो उसे उसी की भाषा में जवाब देना राज्य का उत्तरदायित्व है। इसी सोच के तहत उन्होंने सुरक्षा बलों को वह 'फ्री हैंड' दिया, जिसकी मांग वे दशकों से कर रहे थे। आज सुरक्षा बल न केवल नक्सलियों के गढ़ों में घुसकर प्रहार कर रहे हैं, बल्कि उन दुर्गम इलाकों में भी तिरंगा फहरा रहे हैं जहाँ पहले जाना असंभव माना जाता था। पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में सैकड़ों नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं। इन कैंपों ने नक्सलियों की रसद, सूचना तंत्र और छिपने के ठिकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से इन क्षेत्रों का दौरा कर जवानों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आधुनिक तकनीक, ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी और संचार के बेहतर साधनों से लैस किया। गृह मंत्री ने संसद में स्पष्ट किया था कि जब तक अंतिम नक्सली हथियार नहीं डाल देता या उसका सफाया नहीं हो जाता, तब तक सरकार चैन से नहीं बैठेगी। अमित शाह की रणनीति केवल सैन्य कार्यवाही तक सीमित नहीं रही है। उनके भाषणों का एक बड़ा हिस्सा 'विकास' को समर्पित रहा है। उनका तर्क है कि जहाँ सड़क पहुँचती है, वहाँ नक्सलवाद पीछे हट जाता है। इसी सोच के साथ उन्होंने सड़क संपर्क परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हजारों किलोमीटर लंबी सड़कों का जाल उन इलाकों में बिछाया गया जहाँ कभी नक्सलियों का खौफ हुआ करता था। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। एकलव्य मॉडल स्कूलों के माध्यम से जनजातीय बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना और मोबाइल टावरों के जरिए डिजिटल इंडिया को घने जंगलों तक पहुँचाना शाह के 'सर्वांगीण विकास' मॉडल का हिस्सा है। जब एक आदिवासी युवक के हाथ में बंदूक के बजाय स्मार्टफोन और रोजगार के अवसर आए, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही ध्वस्त हो गई।

अमित शाह ने बार-बार एक और महत्वपूर्ण बात कही है– 'संवाद और पुनर्वास'। उन्होंने उन युवाओं के लिए हमेशा 'लाल कालीन' बिछाई है जो गुमराह होकर हिंसा की राह पर चले गए थे। सरकार की आत्मसमर्पण नीति को इतना आकर्षक और सुलभ बनाया गया कि हजारों नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। शाह ने अपने भाषणों में स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार उन लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है जो भटक गए हैं, लेकिन जो निदोर्षों की हत्या और विकास कार्यों में बाधा डालेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों के लौह प्रहार का सामना करना पड़ेगा। यह 'कैरेट एंड स्टिक' (पुरस्कार और दंड) की नीति ही थी जिसने नक्सली संगठनों के भीतर दरार पैदा कर दी और उनके नेतृत्व को कमजोर कर दिया।

आज झारखंड का 'बूढ़ा पहाड़' हो या छत्तीसगढ़ का 'अबूझमाड़', इन क्षेत्रों की पहचान अब आतंक के बजाय प्रगति से होने लगी है। अमित शाह ने सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों और खुफिया एजेंसियों के बीच जिस तरह का समन्वय स्थापित किया, वह प्रशासनिक कौशल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने 'यूनिफाइड कमांड' के माध्यम से सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज किया, जिससे ऑपरेशन की सटीकता बढ़ी और सुरक्षा बलों के हताहत होने की दर में भारी कमी आई।

अमित शाह का योगदान आधुनिक भारत के निर्माण में एक ऐसे सेनापति के रूप में देखा जाएगा जिसने देश की आंतरिक एकता को खंडित करने वाली सबसे बड़ी शक्ति को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल नक्सलियों को हराया है, बल्कि उन लाखों लोगों के मन में विश्वास जगाया है जो दशकों तक डर और अभाव के साये में जीने को मजबूर थे। आज का भारत अब 'लाल गलियारे' के अंत का जश्न मना रहा है और विकास के नए क्षितिज की ओर अग्रसर है, जहाँ गोलियों की जगह कलम होगी और भय की जगह स्वाभिमान होगा

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

इसका अभाव ही आज के अधिकांश मानसिक विकारों—क्रोध संबंधी समस्या, आवेगशीलता, चिंता और निर्णय थकान — की जड़ है। अत: वास्तविक मानसिक स्वास्थ्य केवल दवाओं या परामर्शों से नहीं, बल्कि भीतर की धृतिह्व के विकास से जन्म लेता है—और इसकी शुरूआत होती है आहार से।

उमेश चतुर्वेदी

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्वद कश्मीर फाइल्सह्न नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकताओं ने इसे ह्वअर्बन नक्सलह्न कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्वद कश्मीर फाइल्सह्न नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकताओं ने इसे ह्वअर्बन नक्सलह्न कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चचाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ह्वचार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणीह्व , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके। हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिंताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिंताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही।

क्यों भगवान विष्णु के अवतार ने 21 बार किया था पृथ्वी को क्षत्रिय-विहीन?

भगवान विष्णु के पांचवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को प्रदोषकाल के समय हुआ था। पौरागिक ग्रंथों में बताया गया है कि पिता जमदग्नि और माता रेणुका ने तो अपने पांचवें पुत्र का नाम 'राम' ही रखा था, लेकिन तपस्या के बल पर भगवान शिव को प्रसन्न करके उनके दिव्य अस्त्र 'परशु' प्राप्त करने के कारण वे राम से परशुराम हो गए। भगवान परशुराम भगवान विष्णु के अवतार होने के साथ ही ब्राह्मण जाति के कुल गुरु भी हैं इसलिए इनकी जयंती देशभर में बड़े धूमधाम से मनाई जाती है।

भगवान परशुराम अपने पिता के अनन्य भक्त थे, पिता की आज्ञा से

इन्होंने अपनी माता का सिर काट डाला था, लेकिन पुनः पिता के आशीर्वाद से इनकी माता की स्थिति यथावत हो गई। दरअसल कथाओं के अनुसार हुआ यह था कि एक बार माता रेणुका स्नान के लिए नदी किनारे गईं, संयोग से वहीं पर राजा चित्ररथ भी स्नान करने आया था, राजा चित्ररथ सुंदर और आकर्षक था। राजा को देखकर रेणुका भी आसक्त हो गईं, किंतु ऋषि जमदग्नि ने अपने योगबल से अपनी पत्नी के इस आचरण को जान लिया। उन्होंने आवेशित होकर अपने पांचों पुत्रों को अपनी मां का सिर काटने का आदेश दिया। किंतु परशुराम को छोड़कर सभी पुत्रों ने मां के स्नेह के बंधकर वध करने से इंकार कर दिया, लेकिन परशुराम ने पिता के आदेश पर अपनी मां का सिर काटकर अलग कर दिया। क्रोधित ऋषि जमदग्नि ने आज्ञा का पालन न करने पर परशुराम को छोड़कर सभी पुत्रों को चेतनाशून्य हो जाने का शाप दे दिया, वहीं परशुराम को खुश होकर वर मांगने को कहा। तब परशुराम ने पूर्ण बुद्धिमत्ता के साथ वर मांगा। जिसमें उन्होंने तीन वरदान मांगेझ्र पहला, अपनी माता को फिर से जीवन देने और माता को मृत्यु की पूरी घटना याद न रहने का वर मांगा। दूसरा, अपने चारों चेतनाशून्य भाइयों की चेतना फिर से लौटाने का वरदान मांगा। तीसरा वरदान स्वयं के लिए मांगा जिसके अनुसार उनकी किसी भी शत्रु से या युद्ध में पराजय न हो और उनको लंबी आयु प्राप्त हो। श्रीजमदग्नि जी के आश्रम में एक कामधेनु गौ थी, जिसकी अलौकिक ऐश्वर्य शक्ति को देखकर कार्तवीर्यार्जुन उसे प्राप्त करने के लिए दुराग्रह करने लगा था। अंत में उसने गौ को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग किया और उसे माहिष्मती ले आया। किंतु जब परशुराम जी को यह बात विदित हुई तो उन्होंने कार्तवीर्यार्जुन तथा उसकी सारी सेना का विनाश कर डाला। जिस पर पिता ने परशुराम जी के इस चक्रवर्ती सम्राट के वध को ब्रह्म हत्या के समान बताते हुए उन्हें तीर्थ सेवन की आज्ञा दी। वे तीर्थ यात्रा पर चले गये, वापस आने पर माता-पिता ने उन्हें आशीर्वाद दिया। दूसरी ओर सहस्त्रार्जुन के वध से उसके पुत्रों के मन में प्रतिशोध की आग जल रही थी। एक दिन अवसर पाकर उन्होंने छद्म वेष में आश्रम आकर जमदग्नि का सिर काट डाला और उसे लेकर भाग निकले। जब परशुराम जी को यह समाचार ज्ञात हुआ तो वे अत्यन्त क्रोधावेश में आग बबूला हो उठे और पृथ्वी को क्षत्रिय हीन कर देने की प्रतिज्ञा कर ली तथा 21 बार घूम-घूमकर पृथ्वी को निःक्षत्रिय कर दिया। फिर पिता के सिर को धड़ से जोड़कर कुरुक्षेत्र में अन्त्येष्टि संस्कार किया। पितृगणों ने इन्हें आशीर्वाद दिया और उन्हीं की आज्ञा से इन्होंने सम्पूर्ण पृथ्वी प्रजापति कश्यपजी को दान में दे दी और महेन्द्राचल पर तपस्या करने चले गये।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

चोरी के तीन महंगे मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः ट्रेनों में यात्रियों से मोबाइल चोरी करने वाले शातिर चोर को बरहरवा आरपीएफ ने गिरफ्तार 2,25,999 रुपये के तीन महंगे एंड्रॉयड फोन के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है,मिली जानकारी के अनुसार बीते दिनों दिनांक 12.04.2026 को हुई चोरी की घटना के मद्देनजर आरपीएफ पोस्ट बरहरवा द्वारा लगातार चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में वीते दिन को आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में सीपीडीएस टीम के एएसआई बबूल दास तथा कांस्टेबल अमन कुमार,नितेश कुमार,शिवम कुमार सिंह एवं आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के एएसआई सुरेश

पासवान,कांस्टेबल चंदन कुमार राम एवं कांस्टेबल सतीश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार,उक्त टीम शाम के समय स्टेशन परिसर में गश्त कर रही थी।इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-01 पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ पाया गया। पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका,जिसके आधार पर उसकी तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 04 मोबाइल फोन बरामद हुए,जिनमें से एक उसका स्वयं का था,जबकि शेष 03 महंगे मोबाइल फोन एंड्राइड आई फोन चोरी के पाए गए। सभी मोबाइल बिना सिम कार्ड के थे तथा उनके संबंध में वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।गिरफ्तार युवक की पहचान आनंद कुमार महतो उम्र 22 वर्ष,निवासी-साहिबगंज,झारखंड के रूप में हुई है।पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उक्त मोबाइल फोन उसने यात्रियों से चोरी किए थे। उन्हें बेचने के उद्देश्य से तीनपहाड़ आया था।बरामद मोबाइल फोन में सैमसंग एस25 अल्ट्रा 5जी,आई फोन 14 प्रो एवं आई फोन 13 शामिल हैं,जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 2,25,999/- है।आरपीएफ द्वारा विधिवत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया तथा जब्त मोबाइल फोन के साथ अग्रेषित कानूनी कार्रवाई हेतु जीआरपी बरहरवा को सुपुर्द किया गया। जीआरपी बरहरवा द्वारा आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की लिखित शिकायत के आधार पर केस संख्या 18/2026 दिनांक-19/042026 यु/एस303(2) ,317(2)बीएनएस के तहत दर्ज कर लिया गया है। मामले पर विधिवत का कानूनी प्रकिया की जा रही है।

नवनिर्मित पंचमुखी हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःनगर पंचायत अंतर्गत कुशवाहा टोला नागेश्वरी देवी कन्या उच्च विद्यालय के निकट स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अवसर पर नगर में भव्य कलश यात्रा पूरे धूम धाम और भक्तिमय नारों के साथ सैकड़ो हनुमान भक्तो द्वारा किया गया।इस पावन अवसर पर आयोजकों के विशेष आमंत्रण पर समाजसेवी सुमन कुमार भी श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा में सम्मिलित हुए। उन्होंने श्रद्धालुओं का मनोबल बढ़ाया और माता-बहनों को प्रेरित करते हुए स्वयं उनके साथ पदयात्रा में शामिल होकर भक्ति भाव से कार्यक्रम की गरिमा को राम नाम के नारों के साथ आगे बढ़ाया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष दयाल पंडित ने बताया कि इस भव्य आयोजन की तैयारी उन्होंने महीनों पहले से की है। उन्होंने जानकारी दी कि इस कलश यात्रा के पश्चात मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न होगा। इसके उपरांत कथा वाचक संजय महाराज द्वारा भक्ति कथा का आयोजन भी किया जाएगा। इस पूरे आयोजन में समिति के सदस्यों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही,जिनमें विष्णु महतो,अमित महतो अनिल यादव और अमर महतो प्रमुख रूप से शामिल होने के साथ साथ स्थानीय ग्रामीण भी भारी संख्या में

मारपीट मामले का आरोपी मोजीबुर गिरफ्तार

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाल बथानी सरपंच टोला निवासी मो. मोजीबुर रहमान 45 वर्ष को मुफस्सिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है । थाना प्रभारी अनिश पांडेय ने बताया कि मोजीबुर के विरुद्ध थाने में मारपीट का मामला दर्ज हुआ था । पुलिस ने मामले की कार्रवाई करते हुए मोजीबुर को गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। यह मामला लाल बथानी सरपंच टोला निवासी मो. जमाल ने दर्ज करवाया था जिसमें बताया था कि बीते दिनों पहले अपने नए घर में पानी पटाने के लिए गया था। उसी दरमियान मोहम्मद हबीब ,मोजीबुर रहमान सहित सात से आठ लोगों ने आए और कहने लगे कि तुम जो पानी डाल रहे हो मकान में उसे छिटा लग रहा है और वह लोग लाठी डंडे लोहे का रड सहित अन्य प्रकार के हथियार के साथ मारपीट करने लगे जिससे मैं घायल हो गया।

जेपीएससी परीक्षाः प्रथम पाली में 2205 ओर द्वितीय पाली में 2203 परीक्षार्थी हुए उपस्थित

संवाददाता

साहिबगंजः जिला के 13 परीक्षा केंद्रों में झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को दो पाली में आयोजित झारखंड संयुक्त असेवा सीधी भर्ती प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन असैनिक सेवा सीधी भर्ती प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया।जो शांतिपूर्ण,पारदर्शी एवं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हुआ।प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक में कुल 3653 परीक्षार्थियों में से 2205 परीक्षार्थी उपस्थित ओर 1448 अनुपस्थित थे।वही द्वितीय पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक में कुल 3653 परीक्षार्थियों में 2203 उपस्थित एवं 1450 अनुपस्थित हुआ। सभी परीक्षा केंद्रों में मजिस्ट्रेड व पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वही डीसी दीपक कुमार दुबे,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नू कुमार मिश्रा,एसडीओ अमर जॉन आइंद,मुख्यालय डीएसपी विजय

कुशवाहा,सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की सहित अन्य ने परीक्षा केंद्रों में जा जाकर जायजा लिया।

परीक्षा केंद्रों में स्कूल एड्रेस नहीं होने ओर गूगल मैप में नहीं रहने से केंद्र खोजने में हुई परेशानी

जेपीएससी की परीक्षा देने आए छात्रों को परीक्षा सेंटर तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई। परीक्षा सेंटर का एड्रेस नहीं रहने ओर गूगल मैप में स्कूल नहीं रहने से परीक्षार्थियों को काफी परेशानी हुई। जिसमें सीएम एक्सीलेंस स्कूल,राजकीय कन्या मिडिल स्कूल, अपग्रेड नगरपालिका गर्ल्स हाई स्कूल ओर पीएम श्री अपग्रेड मिडिल स्कूल बड़ा पंचगढ़ सेंटर खोजने में परेशानी हुई।छात्रों ने कहा कि जेपीएससी व जिला प्रशासन को स्कूल के नाम के साथ एड्रेस भी विभाग को भेजना चाहिए ताकि एडमिट कार्ड में स्कूल नाम के साथ एड्रेस भी आए ओर गूगल मैप में भी स्कूल का नाम दर्ज किया जाए।वही निष्पक्ष शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए डीसी ने सभी अधिकारियों,कर्मियों,पुलिस जवानों को बधाई दिया।

जेल अदालत स्वास्थ्य शिविर सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

- बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता स्वास्थ्य जांच और पुनर्वास योजनाओं की मिली जानकारी

संवाददाता

साहिबगंजःझारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में साहेबगंज मंडल कारा में मासिक जेल अदालत स्वास्थ्य शिविर सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा उपस्थित बंदियों को

उनके विधिक अधिकारों को उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उन्होंने विशेष रूप से नालसा की एसपी आरयुएचए योजना, 2025 के अंतर्गत प्रदान की जा रही निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी परामर्श एवं आवश्यक मार्गदर्शन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन बंदियों के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही योजना के तहत बंदियों के पुनर्वास कौशल विकास व रिहाई उपरांत उन्हें रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। बंदियों के परिजनों को भी विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किए जाने की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान बंदियों को समाज की मुख्यधारा से पुनः जुड़ने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने एवं अपराध से दूर रहने हेतु प्रेरित किया गया। सचिव ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य केवल विधिक सहायता प्रदान करना ही नहीं बल्कि बंदियों के सामाजिक पुनर्वास एवं सम्मानजनक जीवन की पुनर्स्थापना सुनिश्चित करना भी है। शिविर के अंतर्गत एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा बंदियों का समुचित स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया।मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम द्वारा ऐसे बंदियों की पहचान की गई, जिनके मामलों में अब तक अधिवक्ता नियुक्त नहीं किए गए हैं। टीम द्वारा ऐसे मामलों में यथाशीघ्र विधिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त, शिविर के दौरान बंदियों को उनके वादों की अद्यतन स्थिति से विधिवत अवगत कराया गया, जिससे वे अपने मामलों की प्रगति से अवगत हुए । विशेष रूप से महिला बंदियों की विधिक आवश्य कताओं पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें संबंधित मामलों में आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।उक्त आयोजन के माध्यम से बंदियों के विधिक अधिकारों की संरक्षण, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सामाजिक पुनर्वास के प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

संगठन मजबूती के साथ कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नगर महामंत्री बिक्रम दास की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक

साहिबगंज :भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज नगर मंडल की बैठक राजमहल के पूर्व विधायक के कार्यालय स्वामी विवेकानंद चौक में नगर महामंत्री बिक्रम दास की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक हुई।बैठक में संगठन मजबूती के साथ कई मुद्दों पर चर्चा किया गया।बैठक मे मुख्य रूप प्रदेश कार्य समिति सदस्य धर्मेंद्र कुमार,साहिबगंज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामानन्द साह,अर्धेंदु बॉस,अनिल सिंहा, रविशंकर तांती,मनोज चौधरी,प्रकाश पंडित रबिंद्र दास,अंगत यादव,शैलेश पासवान,मदन लाल पासवान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए मनाया सतर्कता दिवस

संवाददाता

साहिबगंजः जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संगठन ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। मंथन एवं जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों के विभिन्न इलाकों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन और जिला प्रशासन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा

है।मंथन देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए मंथन के निदेशक विप्लव महतो ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पीसीएमए 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। लेकिन जमीन पर हमारे गहन जागरूकता अभियानों से जागरूकता बढ़ी है और हालात बदले हैं। अब लोग बाल विवाहों की सूचना दे रहे हैं और प्रशासन तुरंत इसकी रोकथाम के लिए कार्रवाई कर रहा है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है और हमें विश्वास है कि हम 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन 250 से भी ज्यादा सहयोगियों के साथ बाल विवाह की ऊंची दर वाले देश के 450 से भी ज्यादा जिलों में इस अपराध के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस नेटवर्क ने अब तक पांच लाख से ज्यादा बाल विवाह रोका है।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा में डूबने से लापता युवक लापता

साहिबगंजः शहर के वायसी स्थान के सामने स्थित लंच घाट में गंगा स्नान करने गए बिहार के बांका जिला के खुजूरकरमा गांव के रहने वाले निशांत कुमार 19 वर्ष गंगा में डूबने से लापता हो गया। स्थानीय लोगों एवं गंगा नदी पुलिस को सूचना मिलते ही घटनास्थल पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए और निशांत के शव की तलाश में जुट गए। बताया जा रहा है कि निशांत कुमार 19 वर्ष पिता शंभू प्रसाद एवं उसका चचेरा भाई पीयूष कुमार 21 वर्ष पिता जितेंद्र मंडल बांका जिला से यज्ञ देखने के लिए साहिबगंज काटरगंज अपनी बहनोई राहुल कुमार के यहां 16 अप्रैल को आया था। रविवार को दोनों भाई वर्धमान ट्रेन से वापस अपने घर जाने वाले थे। उससे पहले निशांत ,पीयूष एवं नाबालिग भगाना मनीष कुमार बुलेट बाइक पर सवार होकर गंगा स्नान करने के लिए वायसी स्थान के सामने स्थित गंगा घाट पहुंचे ।जहां तीनों गंगा स्नान कर रहे थे इसी दौरान निशांत गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा । निशांत को गहरे पानी में जाता देख पीयूष कुमार उसे बचाने के लिए चला गया तभी दोनों डूबने लगे। इसी दौरान एक युवक बाइक से घाट आया हुआ था दोनों को डूबते देखा हुआ गंगा में छलांग लगा दिया और पीयूष कुमार को किसी तरह बचा लिया और बाहर निकाल लेकिन तब तक निशांत कुमार गंगा में डूब चुका था। उक्त युवक ने इस घटना की जानकारी तुरंत डायल 112 में फोन कर कर दिया।इधर हो हंगामा होने के बाद वहां पर स्थानीय लोग जुटने और तभी गंगा नदी पुलिस भी घटना स्थल पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए पीड़ित परिवार से पूरी घटना की जानकारी ली। फिर इस मामले की जानकारी पुलिस पदाधिकारी ने सीओ बासुकीनाथ टुडू को दिया। इधर तुरंत सीओ के निर्देश पर गोताखोरों को बुलाया गया और दुबे गए निशात की तलाश शुरू की गई खबर लिखे जाने तक निशान को ढूंढने की प्रक्रिया जारी थी।

मारपीट मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंजःगंगा नदी थाना क्षेत्र के गढ़ाई दियारा बलुआ टोला निवासी जंजीर महतो को गंगा नदी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी लव कुमार ने बताया किजंजीर महतो के विरुद्ध मारपीट मामला दर्ज था और यह फरार चल रहा था पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए घर से गिरफ्तार किया है पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

तीनपहाड़ सब्जी मंडी मे लगी भीषण आग,दर्जनों दुकाने जलकर राख

दमकल कर्मी,पुलिस और स्थानीय लोगो की मदद से आग पर काबू पाया

साहिबगंजः जिले के तीनपहाड़ मेन बाजार स्थित सब्जी मंडी में लगी भीषण आग में दर्जनों दुकान जलकर राख हो गया.जबकि गरीब दुकानदारों की लाखो का नुकसान बताया जा रहा हैं.मिली जानकारी के अनुसार देर रात तीनपहाड़ सब्जी मंडी में एक दुकान में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के कई दुकानों को अपने चपेट में ले लिया।आग इतना भयावह थी की उसकी लपटे काफी ऊँची ऊँची उठ रही थी। जिसे दूर से देखा जा सकता था। चारो ओर चीख पुकार मचने लगी सूचना मिलते ही तीन पहाड़ थाना पुलिस भी मौके पर पहुँच गई।आसपास के लोग भारी संख्या में पहुँच गए फायर ब्रिगेड को सुचना दी गईऔर फिर दमकल कर्मी,पुलिस और स्थानीय लोगो की मदद से आग पर काबू पाया गया.आग इतना भयावह था की उसपर काबू पाने में दो घंटा से अधिक समय लग गया.बताया जा रहा हैं की इस आगजनी में सब्जी विक्रेताओ को लाखो का नुकसान हुआ हैं.अभी पुलिस पुरे मामले की जाँच में जुटी हुई हैं.आग लगने की वजह तलाशी जा रही हैं.फिलहाल सब्जी मंडी में चारो ओर राख और धुंआ फैली हुई हैं।

राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता

हुस्नआरा प्रवीण ने लंबीकूद में जीता स्वर्ण पदक

साहिबगंजः झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं जिला प्रशासन,बोकारो द्वारा 18 से 19 अप्रैल तक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स चंदनक्यारी, बोकारो में संपन्न 15वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हुस्न आरा प्रवीण ने 5.34 मीटर के साथ लंबीकुद में स्वर्ण पदक जीता। वहीं सोनोत मरांडी 10000 मीटर,नीरज यादव जेवलिन थ्रो में चौथे स्थान,सुजीत सरकार 5000 मीटर एवं 10000 मीटर में पांचवे स्थान पर रहे हुस्नआरा प्रवीण को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे,अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष कोच योगेश यादव, अशोक साहनी, प्रकाश सिंह बादल समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

'मैं दर्शकों में बैठकर हाथ हिलाकर खुश होने वाला नहीं'

अभिषेक ने बताया क्यों नहीं खरीदी आईपीएल में टीम

अभिषेक बच्चन एक अभिनेता के अलावा कबड्डी और फुटबॉल जैसे खेलों में टीमों के मालिक भी हैं। कबड्डी में उनके मालिकाना हक वाली टीम विजेता भी रह चुकी है। हालांकि, दो अलग-अलग खेलों में टीमें खरीदने वाले अभिषेक बच्चन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से दूरी बनाए रखी है। जबकि आईपीएल में प्रीति जिंटा, शाहरुख खान, जूही चावला जैसे स्टार्स ने क्रिकेट टीमों में निवेश कर रखा है। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने आईपीएल से दूरी बनाई है और लीग में कोई टीम में निवेश नहीं किया है।

अभिषेक के बजट से बाहर था आईपीएल में टीम खरीदना

फोर्ब्स के साथ हालिया बातचीत में अभिषेक बच्चन ने बताया कि उन्होंने कभी आईपीएल टीम क्यों नहीं खरीदी। एक्टर ने कहा कि यह बहुत दिलचस्प है। मैं ऐसे किसी को नहीं जानता, जिसे आईपीएल पसंद न हो। मुझे लगता है कि यह खेल मनोरंजन का चरम है। मैं इसमें शामिल होना चाहता था, लेकिन उस समय ईमानदारी से कहूं तो जब यह शुरू हुआ था, तब यह बहुत महंगा था। मैं एक उभरता हुआ अभिनेता था। मेरी फिल्में अभी-अभी अच्छा प्रदर्शन करने लगी थीं, मैं ठीक-ठाक कमाई करने लगा था, लेकिन यह मेरे बजट से बाहर था।

मुझे नहीं पता था मैं आईपीएल में क्या योगदान दे सकता था

अभिनेता ने आगे यह भी बताया कि वित्तीय पहलू के अलावा वह इस खेल में क्या योगदान दे सकते हैं। एक्टर ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मुझे पता नहीं था कि मैं क्या योगदान दे सकता हूं। बुनियादी ढांचे के मामले में बीसीसीआई बहुत अच्छा काम करता है, तो मैं इसमें क्या योगदान दे सकता था? मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो दर्शक दीर्घा में बैठकर हाथ हिलाकर खुश हो जाए और कहे, 'वाह, एक स्टार आ गया है'।

त्रिप्ती डिमरी के बाद

मेधा ने भी जिन्नी वेड्स सनी 2 जॉइन करने का क्रेडिट अविनाश को दिया

जैसे-जैसे अविनाश तिवारी की फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 की प्रोमोशन्स की स्पीड तेज हो रही है, वैसे-वैसे मेधा शंकर भी अपने को-स्टार अविनाश तिवारी की तारीफों के पुल बांधती नजर आ रही हैं। मेधा ने खुलासा किया कि इस फिल्म का हिस्सा बनने का सबसे बड़ा कारण अविनाश ही थे।

प्रोमोशनल बातचीत के दौरान मेधा ने बताया कि सिर्फ स्क्रिप्ट और फिल्म का स्केल ही नहीं, बल्कि अविनाश की मौजूदगी ने उनका फैसला आसान बना दिया। उन्होंने सेट पर अपने एक्सपीरियंस को भरोसे और कम्फर्ट से भरा बताया, जो उनके मुताबिक इंडस्ट्री में खासकर महिलाओं के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, 'जब आप एक फीमेल एक्ट्रेस होती हैं और थोड़ा शांत स्वभाव की दिखती हैं, तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेते। फीमेल पर्सपेक्टिव से कह रही हूं। अविनाश की वजह से ही मुझे बहुत वेलकम फील हुआ। वो नए टैलेंट और महिलाओं के लिए बहुत सपोर्टिव हैं... वो एक सिक्योर एक्टर हैं। उन्होंने मुझे ये स्पेस दिया कि मैं खुलकर बता सकूं कि मुझे क्या ठीक नहीं लगता और मैं क्या अलग करना चाहती हूं। ये सब अविनाश से शुरू हुआ, और साथ ही प्रशांत झा सर भी बहुत सपोर्टिव और फीडबैक के लिए ओपन हैं। दोनों ने मुझे हिम्मत से अपनी बात रखने की आज़ादी दी। मेधा ने आगे कहा, 'वो ऐसे एक्टर हैं जो खुद सजेस्ट करते हैं कि मैं अपने किरदार के हिसाब से डायलॉग्स ले लूं। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद अगर उन्हें लगता है कि जिन्नी को किसी चीज़ पर स्टैंड लेना चाहिए, तो वो खुद बताते हैं। उन्हें इससे कुछ हासिल नहीं होना, फिर भी वो करते हैं। मैंने पहले कभी किसी मेल को-एक्टर को ये कहते नहीं देखा कि लड़की का किरदार और दमदार होना चाहिए।' ये पहली बार नहीं है जब अविनाश को किसी को-स्टार से ऐसी तारीफ मिली हो। इससे पहले उनकी लैला मजनू की को-स्टार त्रिप्ती डिमरी भी उनके सपोर्टिव नेचर की खुलकर सराहना कर चुकी हैं।

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' में वरुण धवन की एंट्री?

जाने-माने फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'ऑपरेशन सिंदूर'. हाल ही में उन्होंने इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी. अब इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है. खबर है कि वरुण धवन 'ऑपरेशन सिंदूर' में नजर आ सकते हैं. साल 2022 में आई 'द कश्मीर फाइल्स' और 2025 में 'द बंगल फाइल्स' से सुर्खियां बटोरने वाले विवेक अग्निहोत्री एक नई फिल्म ला रहे हैं. मशहूर फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म की अनाउंसमेंट की. इस फिल्म का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा गया है. जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है, ये फिल्म पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कहानी है. विवेक रंजन अग्निहोत्री, भूषण कुमार के साथ मिलकर इस फिल्म को बनाने जा रहे हैं. 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर खबर मिली है कि इस फिल्म में मेकर्स वरुण धवन को कास्ट करना चाहते हैं. वरुण धवन ने 'बॉर्डर 2' में अपनी दमदार एक्टिंग से देशभक्ति वाली फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है

सुमोना चक्रवर्ती का फिटनेस मंत्र

'अनुशासन ही असली जीत है'

मनोरंजन जगत में अभिनेत्रियां अपने लुक्स और फिटनेस पर काफी ध्यान देती हैं। मलाइका अरोड़ा, सोहा अली खान, और करीना कपूर खान अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं, लेकिन टेलीविजन इंडस्ट्री की अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती भी पीछे नहीं हैं। सोमवार को सुमोना ने इंस्टाग्राम पर जिम की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इसमें सुमोना जिम में एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट में अपने मन के भावों को बहुत ही मजाकिया अंदाज में व्यक्त किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'लगातार कोशिश करते रहना, अनुशासन बनाए रखना और बस आगे बढ़ते रहना... यह भी एक बड़ी जीत है। मैं सिर्फ एब्स बनाने के चक्कर में नहीं हूं। असल में मैं खुद को मजबूत बनाना चाहती हूं। ' अभिनेत्री ने लिखा कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव आते रहते हैं। उन्होंने लिखा, 'पहले जैसा लचीलापन अब नहीं रहा है। छोटी-छोटी गलतियों से घुटना या कंधा चोटिल हो जाता है और ठीक होने में भी ज्यादा समय लगता है। फिर भी मैं हार नहीं मानूंगी। मैं अभी भी यहां हूं, चल रही हूं और आगे बढ़ रही हूं। अब मैं सिर्फ अपने शरीर का खास ध्यान रख रही हूं ताकि आने वाले दिनों में मुझे कोई परेशानी न हो। ' उन्होंने अपनी इच्छा जताते हुए लिखा, 'मैं चाहती हूं कि आगे चलकर मैं आराम से बैठ सकूं, खड़ी हो सकूं, डांस कर सकूं और बिना किसी दर्द के ट्रैवल कर सकूं। सुमोना ने अपने ट्रेनर को खास तौर पर धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, 'मेरे हेल्थ का ध्यान रखने के लिए शुक्रिया। आप मुझ पर जितना भरोसा करते हो, कभी-कभी मैं खुद पर उतना भरोसा नहीं कर पाती, लेकिन मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी हूं। सुमोना चक्रवर्ती भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री और कमीडियन हैं, जो मुख्य रूप से 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं।

करियर और मातृत्व साथ-साथ

एक्ट्रेस लिसा रे ने बताया कैसे निभाएं दोनों जिम्मेदारियां

कामकाजी महिलाओं, खासकर माताओं पर घर और दफ्तर दोनों की जिम्मेदारी होती है। कभी-कभी परिवार को संभालने के चक्कर में करियर में ब्रेक लेना पड़ता है, जिससे तरक्की धीमी होने लगती है। सोमवार को अभिनेत्री लिसा रे ने इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा, 'महिलाएं मां बनकर भी अपने सपनों को जी सकती हैं। उन्हें बच्चों को यह दिखाना चाहिए कि महत्वाकांक्षा मातृत्व के साथ खत्म नहीं होती, बल्कि दोनों को साथ निभाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक दिन वे सुबह-सुबह फ्लाइट पकड़ने के लिए घर से निकलीं। उस समय उनकी बच्चियां सो रही थीं, जिस वजह से उन्हें बाय नहीं बोल सकीं और न गले लगा सकीं। अभिनेत्री ने लिखा, 'कामकाजी मां होना कभी आसान नहीं होता। मैं फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल में एक खालीपन लेकर पहुंची, क्योंकि बच्चियां सो रही थीं। फिर मैंने अपना बैग खोला और उसमें उनका लिखा हुआ एक छोटा सा नोट मिला और उसी पल सब कुछ रुक सा गया। यही वजह है कि मैं ये सब करती हूं। मैं उन्हें बहुत याद करती हूं, ऐसी याद जो दिल तक महसूस होती है। उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी बेटियों को यह जरूर बताना चाहती हैं कि उनकी मां के भी सपने अभी बाकी हैं। मां बनने के बाद भी सपने खत्म नहीं हो जाते। प्यार और सपनों को साथ-साथ लेकर चला जा सकता है। लिसा ने लिखा, 'मेरी बेटियां ही मेरी पूरी दुनिया हैं।

आईपीएल 2026 : पंजाब किंग्स की दमदार जीत, लखनऊ को 54 रन से हराकर शीर्ष पर कायम

एजेंसी

मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) : पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। रविवार को खेले गए दूसरे मुकाबले में पंजाब ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा। इससे पहले दिन के पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 4 विकेट से हराया था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने मुल्लांपुर स्टेडियम में 7 विकेट खोकर 254 रन बनाए, जो इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। पंजाब की पारी की शुरूआत खराब रही और टीम ने 3 रन पर ही प्रभसिमरन सिंह के रूप में पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 80 गेंदों में 182 रन की बड़ी साझेदारी की। प्रियांश ने 93 रन और कोनोली ने 87 रन बनाए।

अंत में नेहल वाधेरा (13), शशांक सिंह (17) और मार्कस स्टोयनिस (29) की तेज पारियों ने टीम को 250 के पार पहुंचाया। लखनऊ की ओर से एम सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। 255 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की शुरूआत तेज रही और टीम ने 10 ओवर में 100 रन बना लिए थे। हालांकि, इसके बाद लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। कप्तान ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए, जबकि ऐडन मार्करम (42), मिचेल मार्श (40) और आयुष बडोनी (35) ने योगदान दिया, लेकिन कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं लगा सका। गेंदबाजी में मार्को यानसन ने 2 विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैशाख और युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट झटका। इस जीत के साथ पंजाब 11 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि लखनऊ लगातार तीसरी हार के बाद आठवें स्थान पर है।

आईपीएल 2026: प्रिंस यादव पर्पल कैप की टॉप-3 में पहुंचे, ऑरेंज कैप रेस भी हुई दिलचस्प

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को खेले गए दो मुकाबलों के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कई खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दोनों लीडरबोर्ड को और रोमांचक बना दिया है।

पर्पल कैप की दौड़ में प्रिंस यादव का जलवा

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले में प्रिंस यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2/25 के आंकड़े दर्ज किए। इस मैच में कुल 454 रन बने, लेकिन इसके बावजूद प्रिंस ने किफायती गेंदबाजी की। इस प्रदशन के साथ प्रिंस यादव इस सीजन में 11 विकेट तक पहुंच गए हैं और पर्पल कैप की सूची में टॉप-3 में शामिल हो गए हैं। उनके विकेट गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा के बराबर हैं, लेकिन बेहतर इकॉनमी रेट के कारण प्रिंस आगे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 13 विकेट के साथ अब भी शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई 10 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार भी शीर्ष गेंदबाजों में शामिल हैं।

इसके अलावा जोफ्रा आर्चर और कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी समेत कई गेंदबाज 8-8 विकेट लेकर प्रतिस्पर्धा को कड़ा बना रहे हैं।

ऑरेंज कैप में टॉप-3 बरकरार, लेकिन रेस हुई और दिलचस्प

ऑरेंज कैप की सूची में टॉप-3 स्थान पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और आरसीबी के विराट कोहली क्रमशः पहले तीन स्थान पर बने हुए हैं।हालांकि, राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 46 रनों की पारी के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पंजाब किंग्स के कूपर कोनॉली ने 46 गेंदों में 87 रन बनाकर छठा स्थान हासिल किया है। उनके साथ राजस्थान के यशस्वी जायसवाल भी 223 रनों के साथ बराबरी पर हैं।

शुभेंदु अधिकारी का ममता बनर्जी पर तंज, बोले-

नौकरी देना नहीं, बेचने का काम करती हैं मुख्यमंत्री

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में नौकरी विवाद को लेकर एक बार फिर सियासी माहौल गरमा गया है। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि राज्य सरकार योग्य अभ्यर्थियों को नौकरी देने में विफल रही है, बल्कि नौकरी बेचने और योग्य लोगों को वंचित करने का काम किया गया है।

शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को एक्स पर जारी अपने संदेश में आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों की नौकरी छीन ली गई और अपनी राजनीतिक छवि बचाने के लिए लगातार झूठे आश्वासन दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सरकार को विवाद से निकालने के लिए कथित तौर पर पटकथा लिखी, अब उन्हीं लोगों को नौकरी का इनाम दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की जनता जानती है कि सरकार की प्राथमिकता रोजगार देना नहीं, बल्कि नौकरी को सौदे का माध्यम बनाना रही है। राज्य में शिक्षक भर्ती और अन्य नियुक्तियों को लेकर पहले से ही विवाद बना हुआ है। ऐसे में शुभेंदु अधिकारी के इस बयान के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस बयान पर प्रतिक्रिया आना बाकी है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल के लिए राजनीतिक सलाहकार के तौर पर काम करने वाली संस्था आईपैक ने बंगाल में अपने कर्मचारियों को 20 दिनों की छुट्टी दी है। इसके बाद रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारकेश्वर में एक जनसभा के मंच से घोषणा की है कि अगर आईपैक बंगाल के अपने कर्मचारियों को काम पर नहीं रखती है तो वह उनके लिए नौकरी की व्यवस्था करेंगी। इसी को लेकर शुभेंदु ने आरोप लगाया है कि जिस संस्था के लोगों ने बंगाल में नौकरियां बेचने की पटकथा लिखी, उन्हें मुख्यमंत्री नौकरी देने की बात कर रही हैं।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस मुठभेड़ में शातिर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

अमेठी : अमेठी पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में चलाए जा रहे ह्लऑपरेशन चक्रव्यूहह्व अभियान के तहत सोमवार सुबह थाना संग्रामपुर पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक शातिर हिस्ट्रीशीटर चोर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान शनि पाण्डेय उर्फ सुभाष पाण्डेय (28 वर्ष) पुत्र शम्भूनाथ पाण्डेय, निवासी घिसियावन पाण्डेय का पुरवा, मजरे बेलखरी, थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिन्दा कारतूस (12 बोर), चोरी की बैटरी, झटका मशीन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी एक सक्रिय अपराधी है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

योगी सरकार 30 अप्रैल को बुलाएगी विधान मंडल का विशेष सत्र, राज्यपाल को भेजा प्रस्ताव

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार 30 अप्रैल को यूपी विधान मंडल का विशेष सत्र बुलाय गया है। इस विशेष सत्र में महिला आरक्षण को लेकर चर्चा की जाएगी। रविवार को कैबिनेट बाई सकुर्लेशन के जरिए इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार महिला आरक्षण पर विशेष चर्चा करेगी। सरकार ने विधान मंडल का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट बाई सकुर्लेशन के माध्यम से निर्णय के बाद सरकार ने यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के पास भेज दिया है। राज्यपाल की सहमति मिलने के बाद 30 अप्रैल से यह विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी। साथ ही विपक्षी दलों को घेरने की कोशिश करेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार संसद में महिला आरक्षण बिल पास नहीं करा सकी है। इस असफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सरकारें विपक्ष पर मुखर हुई हैं। भाजपा सरकारें विपक्षी दलों को महिला आरक्षण विधेयक पास न होने के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं।

घर के बाहर शराब पीने से रोका तो दबंगों ने दुकानदार पर किया हमला, गोलक से निकाल ले गए 6 हजार रुपए

महोबा : यूपी के महोबा जनपद मुख्यालय में दुकान के बाहर शराब पीने से मना करना एक दुकानदार को भारी पड़ गया है। जहां रविवार की रात दबंगों ने दुकानदार पर लाठी डंडों से हमला कर दुकान में जमकर उत्पात मचाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। घटनाओं से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। जनपद मुख्यालय के भटीपुरा मुहाल निवासी शंकर प्रजापति ने बताया कि वह अपने घर में ही एक छोटी सी किराना की दुकान का संचालन करते हैं, जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। बताया कि रविवार की रात घर के बाहर चबूतरे पर बैठकर कुछ लोग शराब पी रहे थे, जिन्हें शराब पीने से मना किया तो वह भड़क गए और जान माल कि धमकी देते हुए वहां से चले गए। बताया कि जब वह अपनी दुकान बंद कर रहा था तो उसी समय लाइट चली गई तभी दबंगों ने अंधेरे का फायदा उठा उस पर हमला कर दिया। घर के अंदर भाग किसी तरह से उसने अपनी जान बचाई है। आरोप लगाते हुए कहा कि हमलावरों ने दुकान में जमकर तोड़फोड़ की और दुकान की गोलक में रखे 6000 रुपए भी निकाल कर फरार हो गए हैं।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। सोमवार को भटीपुरा चौकी प्रभारी रोशन गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूरत से बंगाल तक वोटर स्पेशल ट्रेन: ममता बनर्जी को चुनौती देने के लिए भाजपा की अनोखी रणनीति

एजेंसी

सूरत : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रण में ममता बनर्जी को कड़ी टक्कर देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक अनोखी और आक्रामक रणनीति अपनाई है। यह रणनीति केवल बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर सूरत से भी इसे मजबूती मिल रही है। रविवार रात सूरत के उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर देशभक्ति और राजनीतिक उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। पश्चिम बंगाल में मतदान करने के लिए 1300 से अधिक मतदाता ह्लवोटर्स स्पेशलह्व ट्रेन में सवार होकर रवाना हुए। यात्रियों के हाथों में तिरंगा था और पूरा स्टेशन ह्लवंदे मातरमह्व और ह्लजय श्रीरामह्व के नारों से गूंज उठा।

4 ट्रेनों से 5000 वोटर रवाना

अब भाजपा की नजर पश्चिम बंगाल पर टिक गई है। सूरत में रहने वाले लाखों बंगाली कामगारों को मतदान के लिए उनके राज्य भेजने के लिए भाजपा और ह्लसूरत बंगाली समाजह्व ने विशेष अभियान शुरू किया है। इस योजना के तहत कुल 4 स्पेशल ट्रेनों के जरिए लगभग 5000 मतदाताओं को मुफ्त में कोलकाता पहुंचाया जाएगा। पहली ट्रेन रवाना हो चुकी है, जबकि दूसरी ट्रेन 24 अप्रैल को सूरत से निकलेगी। सभी ट्रेनें सीधे कोलकाता जाएंगी, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।ह्यपरिवर्तन यात्राह्न का संकल्पः 1800 यात्री नहीं, 1800 वोट सूरत बंगाली समाज के अग्रणी श्रीकांत राउत ने बताया कि यह पूरी पहल ह्लपरिवर्तन यात्राह्व का हिस्सा है। उनका कहना है कि इस बार पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि सूरत से जाने वाले 1800 लोग सिर्फ यात्री नहीं हैं, बल्कि 1800 वोट हैं, जो बदलाव ला सकते हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उन श्रमिकों को मतदान का अधिकार दिलाना है, जो आर्थिक तंगी या टिकट न मिलने के कारण अपने राज्य नहीं जा पाते।2.5 लाख बंगाली वोट बैंक पर भाजपा की नजर सूरत में करीब 2.5 लाख से अधिक बंगाली लोग रहते हैं, जो मुख्य रूप से डायमंड, ज्वेलरी और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में काम करते हैं। यह वर्ग एक बड़ा और प्रभावशाली वोट बैंक माना जाता है। चुनाव के समय महंगे टिकट और ट्रेनों में भारी भीड़ के कारण ये लोग मतदान के लिए अपने घर नहीं जा पाते। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने यह विशेष रणनीति बनाई है। पार्टी को उम्मीद है कि सूरत से जाने वाले ये हजारों मतदाता न सिर्फ खुद मतदान करेंगे, बल्कि अपने परिवार और गांवों में भी भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार करेंगे।

राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप, कई शहरों में पारा 42 डिग्री पार, हीटवेव का येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में गर्मी ने अब अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है और तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को चूरू, चित्तौड़गढ़ और कोटा जैसे शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक मापा गया, जबकि 10 से ज्यादा शहरों में पारा 40 से 41 डिग्री के बीच रहा। तेज गर्मी के चलते जनजीवन प्रभावित होने लगा है। सड़कों पर आवाजाही कम हो गई है और लोग धूप से बचने के लिए जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। कोटा में नगर निगम ने तपती सड़कों को ठंडा करने के लिए टैंकरों से पानी का छिड़काव तक करवाया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने सोमवार के लिए जयपुर सहित छह जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ क्षेत्र में अगले कुछ दिनों तक लू चलने की चेतावनी दी गई है।

पिछले 24 घंटे में बीकानेर संभाग को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में आसमान साफ रहा और दिनभर तेज धूप ने लोगों को बेहाल किया। झुंझुनूं, भरतपुर, अलवर और धौलपुर में लू के थपेड़ों ने स्थिति और ज्यादा गंभीर बना दी। हालांकि उत्तरी राजस्थान के कुछ इलाकों में बादल छाने के बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिली। राजधानी जयपुर में लगातार दूसरे दिन तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा और अधिकतम 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी से लोगों को राहत नहीं मिल रही। जोधपुर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से अधिक है। वहीं कोटा में गर्म हवा ने लोगों को झुलसा दिया और पारा 42.1 डिग्री तक पहुंच गया। अलवर में हीटवेव का असर साफ नजर आया और अगले चार दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई है। उदयपुर में भी तापमान 40.5 डिग्री तक पहुंच गया, जहां दुकानदारों ने धूप से बचाव के लिए दुकानों पर पर्दे लगा दिए हैं। अजमेर में भी गर्मी का असर दिखा और बाजारों में भीड़ कम रही, जबकि सीकर में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 3-4 दिनों तक प्रदेश में गर्मी का असर और तेज रहेगा। तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ोतरी हो सकती है तथा कई जिलों में हीटवेव का असर बना रहेगा। तेज गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है और लोगों को दोपहर में बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

कोरबा:तेज आंधी-तूफान में गिरी निमार्णाधीन दीवार, पड़ोसी परिवार दबा—तीन घायल

एजेंसी

कोरबा : जिले में रविवार रात अचानक बदले मौसम ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश के बीच कुसमुंडा क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुसमुंडा अंतर्गत प्रेम नगर कपाटमुड़ा मार्ग में संतोष वर्मा द्वारा मकान का निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान मकान की तीसरी मंजिल पर बनी नई दीवार रविवार रात करीब 9 बजे तेज आंधी-तूफान में अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार सीधे पड़ोसी अजय धनवार के घर पर जा गिरी, जिससे घर का छप्पर टूट गया और ईंटों का मलबा अंदर सो रहे अजय धनवार, उनकी पत्नी और बच्चे पर गिर पड़ा।

हादसे के समय तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और भयावह दृश्य देख सन्न रह गए। मोहल्लेवासियों की तत्परता से तीनों घायलों को मलबे से बाहर निकाला गया और तत्काल कोरबा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस दुर्घटना में घर के अंदर रखा स्कूटी वाहन, बर्तन, बिस्तर सहित अन्य घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य कराने वाले संतोष वर्मा भी अस्पताल में मौजूद हैं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : सरार्फा बाजार में आज सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आए उछाल के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सरार्फा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,55,920 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सरार्फा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सरार्फा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

अवैध खनन के खिलाफ नूरपुर पुलिस ने की कार्रवाई, पोकलेन सहित 8 वाहन जब्त

धर्मशाला : पुलिस जिला नूरपुर द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिछले 24 घंटों में विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इन्दौरा, रे और नूरपुर की खड्डों व मुख्य मार्गों पर अवैध खनन को अंजाम दे रहे मशीनरी और वाहनों के चालान कर उन्हें जब्त किया गया है। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 8 चालान किए गए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त/चालानित किया गया। पहले मामले में पुलिस थाना इन्दौरा की टीम द्वारा इन्दौरा खड्ड क्षेत्र में 3 ट्रैक्टरों के चालान किए गए। इसके अतिरिक्त, तांडा मोड़ से एक टिप्पर और ब्यास खड्ड से एक पोकलेन मशीन को अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर अदालत के सुपुर्द किया गया। वहीं पुलिस थाना नूरपुर की टीम ने नूरपुर बाजार क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर का माइनिंग एक्ट के तहत चालान किया। पुलिस चौकी रे मंड रैतपुर क्षेत्र में भी दबिश के दौरान भी ट्रैक्टर का माइनिंग एक्ट के तहत चालान काटा गया। उधर खनन नियमों के साथ-साथ यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर भी पुलिस ने शिकंजा कसा है। अभियान के दौरान उन ट्रैक्टरों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान जारी किए गए, जो बिना नंबर प्लेट के सड़क पर चल रहे थे। एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने बताया कि पुलिस जिला नूरपुर द्वारा अवैध खनन, ओवरलोडिंग और बिना अनुमति सामग्री के परिवहन को रोकने के लिए यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

गुवाहाटी महानगर भारी जलभराव की चपेट में

गुवाहाटी : राजधानी गुवाहाटी में बीती रात हुई तेज बारिश के कारण कई इलाकों में भारी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुख्य सड़कें और उप-पथ पानी में डूब गए, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में पानी भरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जिला प्रशासन द्वारा गुवाहाटी के सभी निजी तथा सरकारी शिक्षण संस्थाओं के बंद करने की आज घोषणा की गई है। हर के शहाथीगांव, रुक्मिणीगांव, तरुण नगर, नवीन नगर, जटिया समेत महानगर के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं, जहां सड़कों और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। प्रबल वर्षा के कारण जल निकासी व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया, जिसके चलते शहर में कृत्रिम बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

नगरोटा में 201 ग्राम चरस व 1.18 लाख की नकदी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

धर्मशाला : जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अन्तर्गत एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस की विशेष टीम द्वारा गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर उत्तरप्रदेश के एक युवक से 201 ग्राम चरस और 1.18 लाख की नकदी बरामद की है। आरोपी ने चरस और नकदी अपने किराए के कमरे में छुपा रखी थी। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान विनोद कुमार शुक्ला पुत्र बच्चा राज, निवासी फरेन्दा, डाकघर व तहसील मल्लापुर, जिला गोंडा, उत्तर प्रदेश उम्र 21 साल के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 201 ग्राम चरस व 1,18,920 रुपए नकदी बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इस मामले में जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान में लगातार गश्त, नाकाबन्दी, गुप्त सूचना एकत्रित करना जारी है। इस मामले में भी पुलिस की विशेष टीम गश्त पर थी तो गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि उपरोक्त आरोपी नगरोटा बगवां में सब्जी मण्डी के पास अपने किराए के कमरे में चरस रखता है तथा अपने ग्राहकों को यहीं से चरस बेचने का धन्धा करता है जिस पर पुलिस की विशेष टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त आरोपी के किराये के कमरे में दबिश दी तथा उपरोक्त आरोपी को चरस व नकदी सहित काबू किया।

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री नेपाल के तीन दिन के दौरे पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू : अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेशमंत्री समीर पॉल कपूर तीन दिनों के नेपाल दौरे पर सोमवार को काठमांडू पहुंचे। काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास के अनुसार, वे आज सुबह त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। हवाईअड्डे पर उनका स्वागत नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारी और अमेरिकी दूतावास के कार्यवाहक राजदूत ने किया। भारतीय मूल के समीर पॉल कपूर, नेपाल के बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार के साथ संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल में नई सरकार बनने के बाद विदेशों से आने वाले कपूर सबसे बड़े अधिकारी है। काठमांडू में कपूर उच्चस्तरीय बैठकों में सहभागी होंगे और सरकार के कुछ मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। पिछले वर्ष अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण एशियाई सुरक्षा विशेषज्ञ कपूर को दक्षिण एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया था। इससे पहले यह जिम्मेदारी डोनाल्ड लू संभाल रहे थे। कपूर का काठमांडू दौरा तीन दिनों का बताया गया है। वे बुधवार को वापस लौटेंगे। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद नेपाल आने वाले कपूर सबसे वरिष्ठ विदेशी कूटनीतिज्ञ हैं।

बिहार के मुजफ्फरपुर में बारात में ट्रॉली हटाने को लेकर उपजे विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां खुशियों वाले घर में मातम पसर गया। जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में एक शादी समारोह के दौरान मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि एक 27 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। पुलिस के मुताबिक मानिकपुर गांव के निवासी जागेश्वर सहनी की बेटी की शादी बीती रात थी। बारात पियर थाना क्षेत्र के मनोज सहनी के घर से आई थी। गांव में उत्सव का माहौल था और सड़क पर म्यूजिक ट्रॉली बजाकर बाराती और लड़की पक्ष के लोग डांस कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही राहुल कुमार (27 वर्ष), पिता विनोद सहनी, अपना ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहा था। सड़क पर म्यूजिक ट्रॉली की वजह से रास्ता बाधित था, जिसे लेकर राहुल ने वहां मौजूद लोगों से ट्रॉली साइड करने को कहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस बात को लेकर राहुल और बारात में शामिल कुछ लोगों के बीच तीखी नोकझोंक और कहासुनी हुई। हालांकि, उस वक्त ट्रॉली हटा ली गई और राहुल ने अपना ट्रैक्टर आगे ले जाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया। मामला गांव का था, इसलिए राहुल विवाद को भूलकर बारात के स्वागत (दरवाजा लगने) की रस्म देखने के लिए रुक गया लेकिन आरोपित पक्ष के मन में खुन्नस बाकी थी। बताया जा रहा है कि जब राहुल दरवाजा लगने की रस्म के बाद वापस अपने घर लौट रहा था, तभी बारात में आए कुछ असामाजिक तत्वों ने उसे बीच रास्ते से उठा लिया।परिजनों ने बताया कि जब राहुल काफी देर तक घर नहीं पहुंचा, तो उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन रात भर उसका कहीं पता नहीं चला। सुबह होते ही ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक सुनसान जगह पर राहुल का खून से लथपथ शव देखा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस सनराइज हॉस्पिटल का हुआ भव्य उद्घाटन

ज्योति पाठक

चाईबासाः जिले में बेहतर चिकित्सा एवं अत्याधुनिक तरीके से इलाज के लिए पहचाना जाने वाला सनराइज हॉस्पिटल आज अमला टोला से जेएमपी चौक के समीप अवस्थित नये भवन में पूर्ण रुपेण अस्तित्व में आ गया।

इस भव्य हॉस्पिटल के उद्घाटन के समय काफी संख्या में नामचीन हस्ती, गणमान्य लोग, शहरवासी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रख्यात चिकित्सक डॉक्टर आर के सिंह एवं उनकी पत्नी प्रख्यात चिकित्सक रानू सिंह के अथक सेवा भावना से सनराइज हॉस्पिटल जो कोल्हान प्रमंडल में अपनी आलौकिक पहचान बना चुका है। इसके इस नये भवन और अत्याधुनिक सुविधा के साथ इलाज लोगों के लिए काफी राहत की बात है। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव छवि रंजन भी डॉक्टर दंपती के इस बेहतर उत्कृष्ट सेवा भावना को काफी उत्कृष्ट और बेहतर माना है उन्होनें इस हॉस्पिटल में बेहतरीन चिकित्सा और लोगों का बेहतर इलाज करने के लिए श्री सिंह सनराइज हॉस्पिटल की सारी टीम शुभकाना दी।

विदित हो कि श्री सिंह पूरे क्षेत्र में लोकप्रिय चिकित्सक के रूप में पहचाने जाते हैं। ऐसे चिकित्सक से क्षेत्र, जिला और चिकित्सा जगत भी गौरवान्वित होता है।

होम गार्ड बहाली प्रक्रिया का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

पारदर्शी व सुव्यवस्थित संचालन का दिया निर्देश

संवाददाता

चतराः जिले के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 1 अप्रैल से संचालित एवं 23 अप्रैल तक प्रस्तावित होम गार्ड बहाली प्रक्रिया का आज उपायुक्त रवि आनंद ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बहाली प्रक्रिया के विभिन्न चरणों–पंजीकरण, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन–का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा संबंधित पदाधिकारियों को पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने अभ्यर्थियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेयजल, छाया, चिकित्सा सुविधा, शौचालय एवं विश्राम स्थल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को विधि-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा अभ्यर्थियों के साथ संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि यह बहाली प्रक्रिया युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, अतः सभी संबंधित अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराएं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, पुलिस विभाग के अधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने की बाबा बासुकीनाथ में पूजा -अर्चना

संवाददाता

बासुकीनाथः झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक सपरिवार बासुकीनाथ धाम पहुंच कर बाबा बासुकीनाथ की पूजा- अर्चना की। मुख्य न्यायाधीश के आगमन पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही बाबा बासुकीनाथ का प्रतीक चिन्ह (मोमेंटो) भेंट किया गया।

उपायुक्त ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर शहर की विधि-व्यवस्था का लिया जायजा

संवाददाता

दुमकाः जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने रविवार को कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने दुमका शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं प्रमुख स्थलों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से विधि-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ की जा सके।उन्होंने कैमरों की नियमित मॉनिटरिंग, रख-रखाव एवं तकनीकी गुणवत्ता बनाए रखने पर भी विशेष बल दिया। कंट्रोल रूम निरीक्षण के दौरान उपायुक्त द्वारा जिले में आयोजित झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 (विज्ञापन संख्या-1/2026) के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की गई। जिला अंतर्गत कुल 19 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई– प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की गयी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार,अपर समाहर्ता,डीआईओ,ईडीएम व अन्य उपस्थित थे।

पश्चिमी सिंहभूम के गुवा में रोजगार की मांग पर आंदोलन, खदान क्षेत्र पूरी तरह ठप

पश्चिमी सिंहभूम : गुवा क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 4:00 बजे से 12 गांव के मुंडा-मानकी के बैनर तले लगभग 100 ग्रामीणों ने जोरदार आंदोलन शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों ने सेल के साइज स्क्रीन क्षेत्र, जीरो प्वाइंट और लोडिंग प्वाइंट के मुख्य मार्ग को पूरी तरह सील कर दिया, जिससे पूरे खदान क्षेत्र का आवागमन बाधित हो गया।

आंदोलन का असर इतना व्यापक रहा कि पहली पाली में खदान जाने वाली बसों को भी पूरी तरह रोक दिया गया। इससे उत्पादन और डिस्पैच पर सीधा असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

रोजगार देने की मांग पर सड़क पर उतरे ग्रामीण : मौके पर तैनात सीआईएसएफ और झारखंड पुलिस बल के जवानों ने आंदोलनकारियों को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे और रास्ता खोलने से इनकार कर दिया। प्रबंधन ने समझाने की कोशिश की स्थिति को संभालने के लिए सेल प्रबंधन की ओर से एचआर महाप्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, डीजीएम सीएसआर अनिल कुमार और अमित तिर्की मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों के साथ वार्ता की। प्रबंधन ने हर महीने मुंडा-मानकी संघ के साथ बैठक कर हर गांव से 2-3 लोगों को रोजगार देने का प्रस्ताव रखा। हालांकि, आंदोलनकारी इस प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हुए। आंदोलनकारियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक 500 बेरोजगारों को रोजगार देने का लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वार्ता विफल होने के बाद भी आंदोलन जारी है, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और खदान का कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न

देवघरः झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, स्वच्छ और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। प्रशासन की कड़ी निगरानी और आयोग के दिशा-निर्देशों के सटीक अनुपालन के कारण कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

इसके अलावा परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली (सामान्य अध्ययन-क) सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक संचालित हुई। जिले में कुल 07 केंद्रों पर परीक्षार्थि शामिल हुए। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, सभी केंद्रों पर परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण रही।

नोवामुंडी में तेज रफ्तार का कहर, दंपती और मासूम घायल

पश्चिमी सिंहभूम : नोवामुंडी थाना क्षेत्र के जामपानी पाराबुरु घाटी में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला, जहां एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार परिवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पति-पत्नी और उनका मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जबकि घायल सड़क पर तड़पते रहे। इसी बीच इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए स्थानीय मुखिया हीरा मोहन पूर्ति ह्यदेवदूतह्ल बनकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना एक पल गंवाए टीएसएफ के माध्यम से एंबुलेंस बुलवाई और स्थानीय लोगों के सहयोग से तीनों घायलों को तुरंत उठाकर टिस्को अस्पताल, नोवामुंडी भिजवाया, जहां उनका इलाज इमरजेंसी वार्ड में जारी है। घायलों की पहचान रेनसो मुंडा (28), लक्ष्मी मुंडा (25) और उनके 5 साल के बेटे रेंसु मुंडा के रूप में हुई है। सभी ओडिशा के क्योंझर जिला अंतर्गत बड़बिल थाना क्षेत्र के बड़ा जामदा कारा केंद्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे में रेनसो मुंडा को पैर, हाथ के दाहिने हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं। लक्ष्मी मुंडा का दाहिना हाथ बुरी तरह जख्मी है, आंखों के ऊपर फट गया है और पैर में भी चोट है। वहीं मासूम बच्चे के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। परिजनों के अनुसार, वे चंपुआ स्थित स्कूल में अपनी बेटी सविता मुंडा से मिलकर लौट रहे थे, तभी जामपानी पाराबुरु घाटी में यह हादसा हुआ।

रेलवे का केबल चुराते युवक गिरफ्तार

धनबादः रेल पुलिस ने बांसजोड़ा में रेलवे के सिग्नलिंग केबल चुराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक मो अख्तर अली उर्फ राजा (44) धनबाद के रहमतगंज का रहने वाला है। शनिवार को कंट्रोल से सूचना मिली कि बांसजोड़ा स्टेशन के समीप अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिग्नलिंग केबल काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। सूचना के बाद आरपीएफ पोस्ट धनबाद ने मुखबिर तैनात कर निगरानी शुरू की। रात में गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने घटनास्थल के पास झाड़ियों में घेराबंदी कर दी। तड़के करीब चार बजे एक संदिग्ध व्यक्ति झाड़ियों में प्रवेश करता दिखा, जिसे तुरंत दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मो अख्तर अली उर्फ राजा बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 3.5 किलोग्राम छिला हुआ कॉपर केबल और एक हेक्सा ब्लेड बरामद किया गया। आरोपी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। पूछताछ में उसने केबल काटने की बात स्वीकार की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वास्थ्य अभियानों की धूम

पोषण पखवाड़े के बीच फोकल एमडीए कार्यक्रम का आगाज

एक लाख से अधिक लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य

संवाददाता

चतराः जिले में इन दिनों स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए दोहरे स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं। एक ओर जहाँ 'पोषण पखवाड़ा' के तहत महिलाओं और बच्चों के खान-पान पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर फाइलेरिया और अन्य बीमारियों से बचाव के लिए फोकल एमडीए कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। जिले में 9 अप्रैल से शुरू हुआ 'जिला स्तरीय पोषण पखवाड़ा' आगामी 23 अप्रैल तक जारी रहेगा। इस योजना के तहत एएनएम और नर्सों को विशेष

प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण, एनीमिया (खून की कमी) से बचाव और सही पोषण की सटीक जानकारी दे सकें। महिलाओं को समय पर जांच और दवा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय है। इसी कड़ी में आज चतरा के सिविल सर्जन डॉ। सतेंद्र सिन्हा ने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को दवा खिलाकर 'फोकल एमडीए' कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर वीबीडी कंसल्टेंट अभिमन्यु कुमार ने बताया कि यह अभियान 20 अप्रैल से 5 मई तक चलेगा। कार्यक्रम के तहत जिले के 88 गांवों के 1,02,670 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। 21 मई से सहिया दीदियां घर-घर जाकर लाभार्थियों को अपने समक्ष दवा का सेवन कराएंगी। इस दौरान पिरामल टीम और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य जिले को कुपोषण मुक्त और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर बनाना है। इस मौके पर चतरा डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा, एसडीओ जहुर आलम, डीएस डॉ पंकज, डीपीसी और डेम, डॉ आशीष कुमार,सहित एएनएम के सभी लोग शामिल रहें।